राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,19 मई 2023 वर्ष-6,अंक-114 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में फिर धूल भरी आंधी के आसार, बारिश की भी संभावना; जारी रहेगा गर्मी का सितम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की देर रात झमाझम बारिश हुई। दिल्ली के कई इलाकों के अलावा नोएडा और गुरुग्राम में रात के वक्त बारिश के साथ-साथ तेज हवाएं भी चलीं और लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली। गुरुवार की सुबह भी हवा के तेज झोंके ने दिल्ली और आसपास के लोगों का स्वागत किया। गुरुवार की सुबह से ही तेज हवाएं चल रही हैं और मौसम सुहाना बना हुआ है। आज भी बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को भी दिल्ली में तेज हवा चलेगी। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हो सकती है। सुबह के वक्त आसमान में बादल भी नजर आए हैं तो बेहतर होगा कि घर से निकलने से पहले आप छतरी भी तैयार रखें। दिल्ली में न्यूनतम तपमान 21.9 डिग्री सेल्सियस रह सकता है वही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। धूल भरी आंधी या तेज हवाएं दिन में चल सकती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सुबह 9 बजे दिल्ली का ओवरऑल एक्यूआई 180 रहा जो मध्यम श्रेणी में आता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले कुछ दिन तेज हवा का सिलसिला जारी रहेगा। हालांकि, इसके बाद फिर मौसम करवट ले सकता है। राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक जा सकता है। उसके बाद फिर सोमवार और मंगलवार को भी बूंदाबांदी की संभावना है। इसी के साथ देश के कुछ अन्य हिस्सों की बात कर लें तो अनुमान जताया गया है कि मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में मौसम सुहाना बना रह सकता है। ओडिशा में अगले पांच दिनों तक लू की स्थिति का सामना लोगों को करना पड़ सकता है। वहीं अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में 18 और 19 मई को बारिश होने की भी संभावना है। दिल्ली में 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

कानून मंत्री नहीं रहे किरेन रिजिजू, बदल गया विभाग; अब अर्जुन मेघवाल को जिम्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम में बदलाव का दौर शुरू होता नजर आ रहा है। खबर है कि केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू को हटा दिया गया है। उन्होंने अर्थ साइंस मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। सरकार ने कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार अर्जुन राम मेघवाल को सौंपा है। खबर है कि केंद्र सरकार में मंत्रियों की समीक्षा का दौर जारी है और मंत्रालयों के कामों की रिपोर्ट तलब की गई थी। इसके बाद ही सरकार की तरफ से यह फैसला लिया गया है। हालांकि, अब तक अन्य मंत्रालयों के संबंध में जानकारी साफ नहीं है।

सरकार ने कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार अर्जुन राम मेघवाल को सौंपा है। खबर है कि केंद्र सरकार में मंत्रियों की समीक्षा का दौर जारी है और मंत्रालयों के कामों की रिपोर्ट तलब की गई थी। इसके बाद ही सरकार की तरफ से यह फैसला लिया गया है। हालांकि, अब तक अन्य मंत्रालयों के संबंध में जानकारी साफ नहीं है।

न्यायपालिका के साथ चल रही थी तकरार?

बीते कुछ समय में सरकार और न्यायपालिका के बीच तनातनी देखने को मिल रही थी। हालांकि, फरवरी में उन्होंने साफ कर दिया था कि देश में कोई भी सरकार बनाम न्यायपालिका नहीं चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी जजों के नाम पर मंजूरी में देरी को लेकर कई बार केंद्र सरकार से सवाल पूछ चुका था। शीर्ष न्यायालय ने देरी के मुद्दे को बेहद गंभीर बताया था।

पीएम मोदी ने दिए थे बदलाव के संकेत

साल 2023 की शुरुआत से ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी कैबिनेट में मंत्रियों के प्रदर्शन के आधार पर फेरबदल कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा था कि पीएम मोदी ने संकेत दिए थे कि बदलाव करने का समय आ गया है। साथ ही यह भी कहा जा रहा था कि खराब प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों को हटाने के साथ-साथ राज्यों में स्टार प्रचारक रहे कुछ सांसदों को जगह मिल सकती है।

बागेश्वर बाबा के सहारे बिहार फतह करने की तैयारी में बीजेपी? आरजेडी को क्यों लग रहा ऐसा

पटना। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की पटना में पांच दिन हुई हनुमंत कथा के दौरान जमकर सियासी घमासान छिड़ा। बागेश्वर बाबा ने भी पटना के तरेत पाली मठ में कथा के दौरान हिंदू राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान दे दिया, जिसके बाद बीजेपी और आरजेडी आमने-सामने हो गई। अब आरजेडी को लग रहा है कि बीजेपी बागेश्वर बाबा के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार फतह करने की तैयारी कर रही है। आरजेडी के उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने यह दावा किया है। बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री की आने वाले महीनों में गया समेत अन्य शहरों में भी कथा होने वाली है। आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने बुधवार को कहा कि बीजेपी धीरेंद्र शास्त्री को आगे रखककर बिहार फतह करने की दिशा में पूरी तैयारी के साथ उतर चुकी है। उन्होंने बागेश्वर बाबा के बयानों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार बिहार के 10-12 करोड़ में से 5 करोड़ लोग ही घर के बाहर धार्मिक झंडा लगाएं और माथे पर तिलक लगा लें तो रामराज्य आ जाएगा। बाबा के इतना कहते ही लाखों हाथ उठ गए। बाबा का कहना है कि हमारा संकल्प पूरा हो गया। शिवानंद तिवारी ने बताया कि बिहार में अपना दिव्य दरबार लगाने और पर्ची निकालने का मकसद क्या है, यह बागेश्वर बाबा ने जाहिर कर दिया। कल्पना कीजिए अगर 5 करोड़ नहीं तो एक करोड़ या पचास लाख लोग भी माथे पर तिलक लगाना और घरों पर धार्मिक झंडा फहराना शुरू कर देंगे, तो बिहार कैसा दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि इस युवा बाबा के सामने हाथ जोड़े बीजेपी के नेताओं की जो कतार लगी है, उसके पीछे की वजह यही है।

मक्सी-उज्जैन मार्ग पर ट्राले और बस में भिड़ंत, एक ही परिवार की दो महिलाओं समेत चार की मौत

शाजापुर: मध्य प्रदेश के शाजापुर में मक्सी-उज्जैन मार्ग पर गुरुवार सुबह करीब पौने पांच बजे एक बस और ट्राले में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक बच्ची ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 15 से ज्यादा घायलों को उज्जैन ले जाया गया है। सबसे कम कीमत पर बेहतरीन स्क्रीन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उच्च गुणवत्ता वाले टैबलेट लें।

बस जालौन, उत्तर प्रदेश से अहमदाबाद जा रही थी। सभी मृतक यूपी के रहने वाले थे। शादी में शामिल होने अहमदाबाद जा रहे थे। मृतकों में एक ही परिवार की दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तीनों बस में आगे की सीट पर बैठे हुए थे। मक्सी थाना प्रभारी गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि हादसे की सूचना सुबह करीब 5 बजे मिली थी। मौके पर पहुंचा तो शारदा ट्रैवल्स की बस यूपी 75 एटी 4799 ट्राले में घुसी हुई थी। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया था। कुछ घायल बाहर सड़क पर पड़े थे, जबकि ज्यादातर बस के भीतर थे। कुछ यात्री उन्हें बाहर निकाल रहे थे तो कुछ अपना सामान समेट रहे थे। हादसे में तीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक की मौत जिला अस्पताल उज्जैन में हुई है।

शादी में शामिल होने अहमदाबाद जा रहा था परिवार

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतकों में रामजानकी, मीरा समेत तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। इनमें से उत्तर प्रदेश के गोरा भूपका का रहने वाला प्रजापति परिवार शादी समारोह में शामिल होने के लिए अहमदाबाद जा रहा थे। प्रारंभिक पड़ताल में पता चला है कि बस चालक को नींद की झपकी आ गई थी। इस कारण वह बस को नियंत्रित नहीं रख पाया। गोरा-भूपका जिला जालौन उत्तर प्रदेश के रहने वाले गणेश प्रजापति ने बताया कि हमारी पहली नंबर की सीट थी। मेरी पत्नी और भाई की बहू एक सीट पर और मैं और भाई साइड वाली दूसरी सीट पर अलग-अलग बैठे हुए थे। अचानक जोर का झटका लगा। मैं कुछ समझ पता, इसके पहले बाहर गिर गया और बेहोश हो गया। गांव के ही लोग जो बस में सफर कर रहे थे, उन्होंने पानी डाला तो मुझे होश आया।

अंबाल बीजेपी सांसद कटारिया का निधन, 14 दिन पहले मनाई सालगिरह

अंबाला। BJP के लोकसभा सांसद रतन लाल कटारिया का निधन हो गया है। उन्होंने बीती रात PGI चंडीगढ़ में अंतिम सांस ली। वे पिछले कई दिनों से निमोनिया के चलते PGI में भर्ती थे। उनकी अंतिम यात्रा पंचकूला के मनसा देवी कॉम्प्लेक्स सेक्टर-4 से निकलेगी। दोपहर में ही अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। 4 मई को उन्होंने PGI में शादी की 40वीं सालगिरह मनाई थी। वह 50 वर्षों से RSS से जुड़े हुए थे। सांसद कटारिया के निधन पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शोक जताते हुए हरियाणा में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने भी सांसद के निधन पर दुख जताया है। दुष्यंत ने लिखा है कि वरिष्ठ नेता रतन लाल कटारिया का आकस्मिक निधन प्रदेश की राजनीति के लिए बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके निधन पर दुख जताया है।

50 साल RSS से जुड़े रहे

रतनलाल कटारिया का जिला यमुनानगर के गांव संधाली में जन्म 19 दिसंबर 1951 को हुआ। पिता ज्योति राम और माता परिवारी देवी की संतान रतन लाल कटारिया के परिवार में पत्नी बंतो कटारिया के अलावा एक बेटा तथा 2 बेटियां हैं। कटारिया ने कैंट के SD कॉलेज से ब्र ऑनर्स करने के बाद कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी से ब्र पॉलिटिकल साइंस और LLB की पढ़ाई की। 50 वर्षों से अधिक समय तक RSS से जुड़े रहे और हरिजन कल्याण निगम के अध्यक्ष और गुरु रविदास सभा के अध्यक्ष भी रहे। मई 2019 में उन्हें केंद्रीय जल शक्ति व सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री बनाया गया। कटारिया 1985 में रादौर विधानसभा से विधायक रहे। इसके अलावा रतन लाल हरियाणा सरकार में रेवेन्यू मिनिस्टर और 1996 वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन रहे। रतन लाल कटारिया 13 वर्ष की आयु में बाल कलाकार के रूप में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु से सम्मानित हुए। उनका एक बेटा और 2 बेटी हैं।

2014 में कटारिया ने रामकुमार वाल्मीकि को दी थी मात-2019 के लोकसभा चुनाव में अंबाला सीट पर भाजपा ने रतन लाल कटारिया पर तीसरी बार दांव खेला था। तजुर्बे और पुराने चेहरे के चलते ही भाजपा ने कटारिया को अंबाला लोकसभा आरक्षित सीट से मैदान में उतारा।

आप ने महाराष्ट्र में भंग की अपनी सभी समितियां

मुंबई। आम आदमी पार्टी (आप) ने महाराष्ट्र राज्य समिति और राज्य की क्षेत्रीय समितियों को भंग कर दिया है। महाराष्ट्र के आप सहप्रभारी गोपाल इटालिया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ना चाहती है और इसके लिए पार्टी जमीनी स्तर तक एक विशाल संगठन बनाना चाहती है। इसलिए पहले कदम के तौर पर इन समितियों को भंग कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हर क्षेत्र और सामाजिक स्पेक्ट्रम के प्रतिनिधित्व वाली एक मजबूत राज्य समिति का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आप को पूरे महाराष्ट्र में ग्रामीण और शहरी हर नुक्कड़ पर ले जाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि आप महाराष्ट्र में वैकल्पिक राजनीति के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। मैं सभी युवाओं, महिला बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, योग्य पेशेवरों और क्षेत्र के सभी नागरिकों से आप पार्टी में शामिल होने का अनुरोध करता हूं, जहां आपका स्वागत है और उन्हें हर स्तर पर पर्याप्त जिम्मेदारियां दी जाएंगी। श्री इटालिया ने महाराष्ट्र में सभी क्षेत्रों के नागरिकों से राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुख सरकार प्रदान करने के लिए आप पार्टी में शामिल होने की अपील की।

विश्व का सबसे ऊंचा शिव मंदिर 6 डिग्री तक झुका, एएसआई की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

रुद्रप्रयाग। विश्व के सबसे ऊंचे शिव मंदिर तुंगनाथ धाम में झुकाव आया है। करीब 12,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित तृतीय केदार के नाम से विख्यात भगवान तुंगनाथ का मंदिर झुक रहा है। इसका खुलासा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में हुआ है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि तुंगनाथ मंदिर में करीब 5 से 6 डिग्री तक झुकाव आया है। इसके अलावा मूर्तियों और छोटे ढांचे में भी 10 डिग्री तक का झुकाव आने की बात कही गई है। उधर, बदरी केदार मंदिर समिति और मंदिर के हक हकूकधारी ने भी तुंगनाथ मंदिर को एएसआई के संरक्षण में देने पर आपत्ति जताई है। वहीं एएसआई के अधिकारी मंदिर की जमीन के नीचे के हिस्से के खिसकने और धंसने के कारणों का भी पता लगा रहे हैं, जिस वजह से मंदिर में झुकाव हो रहा है। उनकी मानें तो विशेषज्ञों से सलाह के बाद क्षतिग्रस्त नींव के पत्थरों को बदला जाएगा। फिलहाल, एजेंसी ने ग्लास स्केल को फिक्स कर दिया है, जो मंदिर की दीवार पर मूवमेंट को माप सकता है। पहले भी कई बार शासन की ओर से पुरातत्व विभाग को पत्र दिया गया था कि इस मंदिर को अपने अधीन लिया जाए, जिस पर मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए आपत्ति भी मांगी गई थी। आपत्ति दर्ज कराने के लिए दो महीने का समय दिया गया है। यह मंदिर भी केदारनाथ धाम की तरह बदरी केदार मंदिर समिति के अधीन आता है।

बदरी केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से तुंगनाथ मंदिर को अपने संरक्षण में लेने के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। साथ ही मामले में आपत्तियां भी मांगी गई हैं।

हालांकि, यहां पर स्थानीय हक हकूकधारी भी मंदिर समिति को पूरा सहयोग करते हैं। स्थानीय हक हकूकधारी ही तुंगनाथ मंदिर में पूजा करते हैं। बदरी केदार मंदिर समिति की ओर से यहां पर पुजारी की नियुक्ति नहीं की जाती है। आज तक इस मंदिर का संचालन बदरी केदार मंदिर समिति और स्थानीय हक हकूकधारी ही करते आए हैं। ऐसे में मंदिर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने पर बदरी केदार मंदिर समिति और हक हकूकधारियों ने विरोध करने का निर्णय लिया है।

पंजाब पुलिस व बीएसएफ का फैसला

सीमावर्ती गांवों में लगेंगे सीसीटीवी, सरकार ने मंजूर किए बीस करोड़

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है। भगवंत मान सरकार ने इसके लिए बीस करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करों और अपराधियों के बीच गठजोड़ को रोकने के लिए ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने का फैसला लिया गया है। पंजाब के विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने बताया कि सरहद पार से तस्करों की आवाजाही पर सख्ती से नज़र रखने के लिए पंजाब सरकार ने सीमावर्ती गांवों में सामरिक महत्ता वाले स्थानों पर सीसीटीवी लगाने के लिए 20 करोड़ रुपए रुपये किये हैं। उन्होंने कहा कि डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने ड्रोन के जरिये हथियारों और नशीले पदार्थों की बरामदगी कराने में मदद करने वाले को एक लाख रुपये का इनाम देने का ऐलान भी किया है। बैठक में डीआईजी बार्डर रेंज नरिंदर भार्गव और डीआईजी फ़िरोज़पुर रेंज रणजीत सिंह ढिल्लों सहित बीएसएफ के चार डीआईजी और चार कमांडेंट भी उपस्थित थे। विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि यह सही समय है कि पंजाब की सरहदों पर ड्रोन ऑपरेशनों का मुकाबला करने के लिए दोनों सुरक्षा बलों को

मिलकर और बेहतर तालमेल के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने सरहद पार से पंजाब में नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए सबूत आधारित और सक्रिय पुलिसिंग करने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया।

स्पेशल डीजीपी ने सरहदी जिलों के एसएसपी को सुरक्षा की नज़र से पुलिस बल को और मज़बूत और मुस्तैद होने के लिए कहा। उन्होंने सरहद पार तस्करी में शामिल भारतीय नागरिकों पर नज़र रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए सरहदी गांवों में सामरिक महत्ता वाले स्थानों और हॉटस्पॉट्स के बारे भी चर्चा की। उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों को कहा कि वह संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों के बारे जानकारी पंजाब पुलिस के साथ साझा करें, जिससे वे उनकी गतिविधियों पर पैनी नज़र रख सकें। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करों और अपराधियों के बीच गठजोड़ को रोकने के लिए ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने का प्रस्ताव भी दिया। विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि यह समितियां पुलिस की आंख और कान के तौर पर काम करेंगी, ताकि सरहदी राज्य से नशा, आतंकवादियों और गैंगस्टरों का सफाया करने में पंजाब पुलिस को मदद मिल सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

खिलौना नहीं मोबाइल

बच्चों का मन बहलाने के लिये झुनझुने की तरह मोबाइल थमाने का जो फैशन शुरू हुआ है उसके घातक प्रभाव अब सामने आने लगे हैं। एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इन आशंकाओं की पुष्टि ही हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम उम्र के बच्चों को स्मार्टफोन दिये जाने से उनके युवा अवस्था में पहुंचने पर कई तरह के मानसिक विकार उभर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हुए इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष गत सोमवार को सार्वजनिक किये गये हैं। सर्वेक्षण के निष्कर्षों में मोबाइल फोन तथा टैब के उपयोग के दुष्प्रभावों का जिक्र किया गया है। दुखद बात यह भी है कि छोटी उम्र में मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से ऐसे बच्चों में वयस्क होने पर आत्महत्या जैसे घातक विचारों का प्रवाह देखा गया है। उनमें अपने यथार्थ से विमुख होने और दूसरों के प्रति आक्रामक व्यवहार का रुझान देखा गया है। यह सर्वेक्षण अमेरिका की एक गैर लाभकारी संस्था द्वारा दुनिया के करीब 28 हजार वयस्कों पर किया गया। करीब चालीस देशों में कराये गये सर्वे में चार हजार युवा भारत के भी शामिल थे। जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रभावों का विश्लेषण किया गया। सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित तथ्यों के बाबत वैज्ञानिकों का कथन है कि छोटी उम्र में बच्चों को मोबाइल फोन दिये जाने से उनके वयस्क होने पर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर ज्यादा बढ़ने की आशंका है। सर्वेक्षण में बताया कि छह वर्ष की उम्र में स्मार्टफोन का इस्तेमाल शुरू करने वाली 74 फीसदी वयस्क महिलाओं को गंभीर मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें अवसाद भी शामिल है। इसी क्रम में दस वर्ष से स्मार्ट फोन का इस्तेमाल शुरू करने वाली वयस्कों में से 61 फीसदी और पंद्रह वर्ष से इस्तेमाल शुरू करने वाली युवतियों में 52 फीसदी में ये दुष्प्रभाव नजर आये। वहीं 18 वर्ष की होने पर स्मार्टफोन का प्रयोग करने वाली युवतियों द्वारा ऐसी चुनौती का सामना करने का प्रतिशत 46 फीसदी था। कमोबेश युवकों में भी इसी तरह छह साल की उम्र से स्मार्टफोन का इस्तेमाल शुरू करने वालों का मानसिक दुष्प्रभावों का सामना करने वाला प्रतिशत 42 था। वहीं 18 साल से स्मार्टफोन इस्तेमाल शुरू करने वालों का प्रतिशत 36 फीसदी था। इस तरह कम उम्र में मोबाइल प्रयोग का संबंध सीधा मानसिक समस्याओं के बढ़ने के रूप में पाया गया। यानी छोटी उम्र में फोन के उपयोग से मानसिक दिक्कतों में अधिक वृद्धि हुई है। ऐसे लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति के विचार आने, दूसरों के प्रति आक्रामकता, अपने जीवन की वास्तविकता से दूर होने तथा समाज से अलग आत्मकेंद्रित होने की प्रवृत्ति देखी गई है। वहीं बीते साल जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय परिवारों में दस से चौदह वर्ष के बच्चों में स्मार्टफोन के उपयोग का प्रतिशत 83 फीसदी था, जो वैश्विक स्तर पर उपयोग के औसत से सात फीसदी अधिक था। वैसे अभी यह अध्ययन विस्तार से होना बाकी है कि छोटी उम्र में फोन का इस्तेमाल शुरू करने से युवा अवस्था में बच्चों में मानसिक समस्याएं और व्यवहार में आक्रामकता क्यों पैदा हो रही है और इसके क्या समाधान हो सकते हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि बच्चे पांच से आठ घंटे रोज ऑनलाइन रहते हैं। निस्संदेह बच्चे इससे पहले इस समय का उपयोग परिवार के लोगों और मित्रों के साथ व्यतीत करते थे। जाहिर है बच्चों में समाजीकरण की प्रक्रिया बाधित हुई है। जिसके चलते उनमें सामाजिक चुनौतियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता का ह्रास होता है और वे छोटी-छोटी चुनौतियों से हारने लगते हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

बदलते दौर में महिलाओं तक इंटरनेट और मोबाइल की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी

(लेखक-विजय गर्ग)

आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस फीसद कम है। महिला सशक्तिकरण एक ऐसी अनिवार्यता है, जिसकी अवहेलना किसी भी समाज और देश के विकास की गति को धीमा कर सकती है। ऐसे में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराना समाज और सरकारों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मगर इक्कीसवीं सदी के भारत में क्या महिलाओं को वे अवसर मिल रहे हैं, जिससे देश या विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा जा सके? यह सबसे ज्वलंत सवाल है। आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, मगर इस युग में सूचना और संचार माध्यमों तक महिलाओं की सीमित पहुंच चिंता का एक विषय है। सूचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, ई-कामर्स और वित्तीय सेवाओं के लिए मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच आज की आवश्यकता है। मगर डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने वाली वैश्विक संस्था जीएसएमए द्वारा जारी 'मोबाइल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2022' में यह तथ्य उजागर हुआ है कि देश एक बड़े डिजिटल विभाजन के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच के बिना ऐसे लोगों के और पीछे छूट जाने का खतरा है, जिसमें खासकर आधी आबादी शामिल है। गौरतलब है कि डिजिटल पहुंच का यह अंतर महिला सशक्तिकरण में बाधक बन रहा है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और बेहतर स्वास्थ्य के अवसरों से दूर कर रहा है। यहां तक कि सामाजिक हिस्सेदारी में भी पिछड़ापन साफ नजर आता है। कई बार महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल तो करना चाहती हैं, पर सामाजिक परिवेश महिलाओं को इसकी इजाजत नहीं देता। एशियन डेवलपमेंट बैंक और सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' की 2022 की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार इस अंतर का यह अर्थ भी है कि महिलाएं श्रम बाजार में उन अवसरों से वंचित रह जाती हैं, जहां डिजिटल कुशलता की मांग होती है। ऐसी परिस्थिति में कार्यक्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व संकुचित हो जाता है। इसकी वजह से उन्हें न तो अच्छी नौकरी मिल पाती है और न ही उचित वेतन। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार देश में सिर्फ 54 फीसद महिलाओं के पास मोबाइल फोन है। वहीं 33 फीसद महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। यह स्थिति और दयनीय तब हो जाती है, जब यह पता चलता है कि इनमें से केवल 22.5 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल फोन से वित्तीय लेनदेन करती हैं। इन वजहों से महिलाएं समाज में काफी पीछे छूट जाती हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने लैंगिक डिजिटल भेदभाव को असमानता का नया चेहरा बताया है। उनका कहना है कि 'महिलाएं भेदभाव के नए तरीके का सामना कर रही हैं और डिजिटल दुनिया पर पुरुषों का वर्चस्व आने वाले समय में मुश्किलें पैदा कर सकता है।' ऐसे में दुनिया और खासकर अपना देश आधुनिक होने का चाहे जितना दिखावा कर ले, लेकिन धरातल पर महिलाओं की स्थिति हर मामले में आज भी पुरुषों से कमतर है। बात जब आधी आबादी से जुड़े अधिकारों की होती है, तो समूचे विश्व में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार साफ देखा जा सकता है। महिलाओं से यही अपेक्षा की जाती है कि वे घर-परिवार की देखभाल करें, घर की चारदीवारी में सीमित रहें। महिलाओं को इंटरनेट और मोबाइल से दूर रखने के कारण भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रेरित लगते हैं। भारत का डिजिटल लैंगिक अंतर मुख्य रूप से तीन कारकों का परिणाम है। इसमें पहला ग्रामीण-शहरी विभाजन है, दूसरा आय-आधारित विभाजन और तीसरा सामाजिक कारण है। सब जानते हैं कि देश में मोबाइल फोन को शादी से पहले महिलाओं की प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है। शहरों में इस दिशा में भले सोच में कुछ परिवर्तन देखने को मिल सकता है, लेकिन दूरदराज क्षेत्रों में शादी के बाद ही अक्सर मोबाइल फोन रखने की इजाजत महिलाओं को होती है। यहां तक कि महिलाओं की आनलाइन गतिविधियों पर अक्सर पुरुषों का नियंत्रण रहता है। महिलाओं का इंटरनेट के प्रति झुकाव कम होने का आर्थिक कारण भी है। एक आंकड़े के अनुसार अगर कोई परिवार मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करता है, तो उसे कम से कम अपनी मासिक आय का तीन प्रतिशत इस पर खर्च करना पड़ सकता है, जो किसी भी कम आय वाले परिवार के लिए बहुत अधिक है। ऐसे में महिलाएं आर्थिक दबाव के कारण भी संचार तकनीक के मामले में पीछे छूट जाती हैं। एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि महिलाओं को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से रोका जाता है। महिलाएं इक्कीसवीं सदी में भी डिजिटल मंचों का इस्तेमाल करने में पुरुषों की तुलना में कोसों दूर हैं। ऐसे में भले दुनिया भर में महिला पुरुष समानता की बात हो रही है और ह रे संविधान की धारा 14 से 18 तक में समान अधिकारों की बात कही गई है, पर समाज में पुरुषवादी वर्चस्व किसी से छिपा नहीं है। तभी तो महिलाओं के पास फोन तो है, पर डेटा उपलब्धता के मामले में साफ पिछड़ापन देखा जा सकता है। 'यूएन वुमन जेंडर स्नैपशाट 2022' की रिपोर्ट की मानें तो लैंगिक डिजिटल विभाजन, डिजिटल दुनिया में महिलाओं को शामिल न करने से कम और मध्यम आय वाले देशों को जीडीपी में पिछले दस सालों में एक खरब डालर नुकसान का अनुमान है। रिपोर्ट में इस बात की भी चेतावनी दी गई है कि अगर इस समस्या को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो यह नुकसान 2025 तक डेढ़ खरब डालर तक पहुंच सकता है। देखा जाए तो वर्तमान दौर में रोटी, कपड़ा और मकान के बाद मोबाइल फोन और इंटरनेट लोगों की बुनियादी जरूरतों में शामिल हो चुका है। बावजूद इसके, घर की महिलाएं इंटरनेट की पहुंच से काफी दूर हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक डिजिटल तकनीक दुनिया भर में नब्बे फीसद नौकरियों का अभिन्न अंग है, मगर ये नौकरियां केवल डिजिटल रूप से सक्षम और महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक उपलब्ध हैं। स्वाभाविक है कि अगर महिलाएं डिजिटल रूप से सक्षम नहीं होंगी, तो उनके लिए काम के अवसर भी कम होंगे।

आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस प्रतिशत कम है और परिवार के पुरुष सदस्यों से फोन उधार लेने की संभावना अधिक है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना अधिक होती है। ऐसे में वक्त का तकाजा यही है कि आधी आबादी तक डिजिटल तकनीक की पहुंच सुनिश्चित कराई जाए, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत की है और इसमें लगभग आधी महिलाएं और लड़कियां हैं। मध्यप्रदेश का 'डिजिटल सखी' अभियान इस दिशा में प्रेरणादायक कहानी बयान करता है, क्योंकि इस अभियान के माध्यम से युवतियां स्मार्टफोन के जरिए भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे रही हैं और समाज में व्याप्त डिजिटल लैंगिक भेदभाव को दूर करने की अलख जगा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' के महत्व पर जोर दिया है, क्योंकि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जी-20 का आधिकारिक जुड़ाव मंच से अपनी पांच प्राथमिकताओं में से एक के रूप में 'लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटना' है। ऐसे में महिलाओं तक इंटरनेट और मोबाइल की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है। बशर्ते इन साधनों का अपने और समाज के विकास में योगदान होना चाहिए।

कांग्रेस की छत्रछाया में फिर जगा भरोसा

उमेश चतुर्वेदी

क्या भारत का मुस्लिम मतदाता फिर उसी तरह की सोच की तरफ बढ़ रहा है, जैसा भारतीय राजनीति में कांग्रेसी वर्चस्व के दिनों में था। कर्नाटक के नतीजों के ठीक एक महीने पहले की बात है। वाराणसी के मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक समूह से चर्चा के दौरान इस सोच का संकेत मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी के उन बौद्धिकों ने संकेत दिया कि वोट देने के लिए उनकी पहली पसंद कांग्रेस बनती जा रही है। स्थानीय चुनावों को छोड़ दें तो लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अब मुस्लिम मतदाता कांग्रेस की ओर देखने लगा है। कर्नाटक में जिस तरह के नतीजे आए हैं, उसमें पिछड़ी जातियों के मतदाताओं, वोक्कालिगा समुदाय के साथ ही सबसे बड़ा योगदान मुस्लिम मतदाताओं का है। एक सर्वे के मुताबिक, पोलिंग बूथों पर पहुंचे राज्य के मुस्लिम मतदाताओं ने एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया है। सर्वे के मुताबिक, राज्य के करीब 82 फीसदी मुस्लिम वोटरों ने जहां एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया, वहीं जनता दल सेक्युलर को सिर्फ पंद्रह प्रतिशत का ही समर्थन मिला। अल्पसंख्यक समुदायों का भरोसा जीतने को भाजपा के शीर्ष नेता 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' जैसे नारे के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन सर्वे के आंकड़ों पर भरोसा करें तो इस नारे और संकल्प के बावजूद अल्पसंख्यक समुदाय का भरोसा जीतने में भारतीय जनता पार्टी सफल नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अल्पसंख्यक लोगों की तरफ हाथ बढ़ा रहा है। इसके बावजूद अल्पसंख्यक वोटरों का भरोसा जीतने में कम से कम अभी तो कामयाब नजर नहीं आ रही। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राज्य के सिर्फ दो प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने ही भाजपा का साथ दिया। बता दें कि कर्नाटक में अल्पसंख्यक करीब 16 प्रतिशत हैं। इसमें मुस्लिम वोटरों की संख्या करीब 82 लाख है। दरअसल, उत्तर भारत के राज्यों मसलन बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोटरों ने पिछली सदी के नब्बे के दशक से कांग्रेस से मुंह मोड़ना शुरू किया। राजनीति में अतीत में ताकतवर रही कांग्रेस का बुनियादी आधार दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय था। ब्राह्मण वर्ग का समर्थन था। लेकिन जब बिहार में लालू यादव और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह का उभार हुआ तो मुस्लिम वोटर इन दोनों के इर्द-गिर्द इकट्ठा होने लगे। यही वह दौर है, जब भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता की बहस शुरू हुई तो मुस्लिम समुदाय कथित धर्मनिरपेक्ष खेमे का सबसे बड़ा समर्थक आधार बनता गया। जिन राज्यों में उसे कांग्रेस का विकल्प दिखा, वह कांग्रेस छोड़ विशेषकर समाजवादी वैचारिक आधार का दावा करने वाले दलों के पीछे चलने लगा। एक दौर में वामपंथी राजनीति धर्मनिरपेक्षता की सबसे बड़ी अलंबरदार रही। साफ है कि वह भी अपने प्रभाव वाले दिनों में मुस्लिम वोट बैंक का सबसे बड़ा आधार बनी रही। हालांकि जब कहीं और ज्यादा आक्रामक राजनीतिक धारा दिखी तो मुस्लिम वोट बैंक उसकी तरफ झुकता चला गया। जैसे पश्चिम बंगाल में यह धारा ममता बनर्जी की ओर झुकती गई। बहरहाल कांग्रेस से मुस्लिम वोट बैंक के इस विचलन का असर यह हुआ कि कांग्रेस राजनीतिक रूप से उन राज्यों में सिकुड़ती चली गई, जहां उसके मुकाबले कहीं ज्यादा कथित धर्मनिरपेक्ष दल मिलता चला गया। लेकिन मुसलमानों का अब इन दलों से मोहभंग होने लगा है। जिसकी बानगी वाराणसी के मुस्लिम बौद्धिकों से चर्चा के दौरान दिखी। अब मुस्लिम तबका भी मानने लगा है कि कथित धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार उनका वोट लेते हैं, लेकिन उनके समुदाय की भलाई या राजनीतिक हितों के लिए ठोस काम नहीं करता। इस बीच कांग्रेस ने पिछली सदी के नब्बे के दशक के पहले का चोला पूरी तरह उतार दिया है। तब वह भले ही कथित धर्मनिरपेक्षता की राजनीति के साथ ही तुष्टिकरण वाले कदम भी उठाती थी, लेकिन वह आज जैसे कथित सांप्रदायिकता के विरोध में झंडा नहीं उठाती थी। लेकिन आज की कांग्रेस के अगुआ भले ही कभी मठों में घूमें, जनेऊ धारण करें, पूजा करें। लेकिन यह भी सच है कि वे मुस्लिम तुष्टिकरण की बातें कहीं ज्यादा आक्रामक ढंग से करते हैं। आज का कांग्रेसी नेतृत्व धर्मनिरपेक्षता के खांचे में हिंदुत्व का चेहरा फिट करते वक्त उसे उदार बताता है, वहीं मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए खुलकर बोलता है। नागरिकता संशोधन कानून हो या कृषि कानून, कांग्रेस की अगुआई वाले कथित धर्मनिरपेक्षतावादी विपक्षी खेमे की सफलता कही जाएगी कि वह एक वर्ग के मतदाताओं के जेहन में बिठाने में सफल रहा कि ये कानून उनके समुदाय के विरोधी हैं। इसका असर अब दिखने लगा है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में एकमुश्त पड़े मुस्लिम वोट इसी का असर है। कांग्रेस को पता है कि कथित उदार हिंदुत्व के नाम पर बहुसंख्यक समुदाय में विभाजन होता रहेगा। उसे लगता था कि अगर मुस्लिम वोट थोक में मिल जाए तो देर-सवेर दूसरे तबकों का भी समर्थन मिलने लगेगा। यह भी कि दुनिया के हर देश में अल्पसंख्यक लोग तकरीबन एक ढंग से सोचते हैं। भारतीय मुसलमान भी अगर इसी तरीके से सोचना शुरू कर चुके हैं, तो कांग्रेस उम्मीद कर सकती है। लेकिन उन दलों के लिए नुकसान भी है, जिनके अस्तित्व का बड़ा आधार मुस्लिम वोट बैंक है। वहीं यह भी कि मुसलमानों के इस रुख से उत्साहित कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व अब और ज्यादा आक्रामक हो सकता है। इसका असर कांग्रेस की नीतियों पर भी पड़ेगा और आने वाले विधानसभा चुनावों में भी।

ग्रामीण अंचलों में भी टैक्स की मार

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हुए टैक्स और शुल्क की वसूली आम जनता से लगातार की जा रही है। टेक्स दायरा भी निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार ने अब राज्यों की ग्राम पंचायतों ने क्षेत्र में टैक्स वसूली का जो तरीका अख्तियार किया है, उसके बाद ग्रामीण अंचलों में अब शांति के साथ रहना संभव नहीं होगा। गांवों में भी अब संपत्ति कर को अनिवार्य कर दिया गया है। ग्राम पंचायतों में अब जलकर, स्वच्छता कर, संपत्ति कर, ग्राम पंचायत एरिया में दुकान लगाने पर, हाथ ठेला लगाने पर, पशुओं की खरीद-बिक्री पर, हर चीज में अब टैक्स एवं शुल्क को अनिवार्य किया गया है। अभी तक भारत की ग्रामीण अंचल की आबादी जिस तरह से रहना चाहती थी, कम आय और कम खर्च के बीच में शांति के साथ अपना जीवन व्यतीत करती थी। पिछले 20 वर्षों में टैक्स की मार गरीबों के घर तक पहुंचने लगी है। ग्रामीण अंचलों के गरीब अब टेक्स एवं शुल्क को लेकर उद्वेलित हो रहे हैं। टैक्स और शुल्कों की वसूली अब डंडे के बल पर हो रही है। जिसका असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। केंद्र सरकार की पहल पर राज्य सरकारों ने अब प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में मकानों, दुकानों और खुली जमीन का सर्वे शुरू करा दिया है। ग्रामीण अंचलों में भी अब टैक्स की वसूली की जाएगी। पिछले वर्षों में जीएसटी के रूप में हर गरीब को हजारों रुपए प्रतिमाह का टैक्स देना पड़ रहा है। पहले यह माना जाता था कि गरीबों को टैक्स नहीं लगता है। लेकिन अब 5व्र से लेकर 28 फ़ीसदी टैक्स के दायरे में गरीब आ चुके हैं। शराब, सिगरेट-बीड़ी इत्यादि पर सबसे ज्यादा टैक्स लगता है। पेट्रोल-डीजल पर सबसे ज्यादा टैक्स है। भारत की अर्थव्यवस्था में अब गरीब से गरीब व्यक्ति जो कमाई करता है, उसका 50 से 60 फ़ीसदी हिस्सा टैक्स में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जा रहा है। जिसके कारण अब गरीबों के नियमित खर्च पूरे नहीं हो पा रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में जितने टैक्स की वसूली हुई है, उसने पिछले 50 सालों के रिकार्ड तोड़ दिये हैं। आम आदमी टैक्स के बोझ से लगातार कराह रहा है। लेकिन उसके बाद भी सरकार टैक्स कम करने की बजाय, टैक्स को बढ़ाती ही जा रही है। इसको लेकर आम आदमी का गुस्सा बढ़ जा रहा है। भारत में लोग जब अपने परिवार की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। हर दिन सामूहिक आत्महत्या करने के समाचार मिलने लगे हैं। जिसमें परिवार का मुखिया अपनी पत्नी और बच्चों को मारकर आत्महत्या कर रहा है। उसके बाद भी सत्ता में बैठे हुए लोग, गरीब व्यक्ति से भी टैक्स वसूल करने का कोई ना कोई मार्ग निकालकर सरकार की कमाई बढ़ाने का प्रयत्न कर रहे हैं। टैक्स और शुल्क की वसूली अब डंडे के जोर पर हो रही है। कुर्की डिग्री और पुलिस, टैक्स वसूली के काम में लग गई है। जिससे आम लोगों का गुस्सा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को समझना होगा कि वह आम जनता की पालक हैं। आम जनता को सुख सुविधाएं और उनकी मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति सरकारें इतने भारी-भरकम टैक्स वसूल करने के बाद भी नहीं कर पा रही है। यह स्थिति आगे चलकर विस्फोटक हो सकती है। सरकार के खर्चे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सरकार जिन मदों पर पैसा खर्च कर रही है, उसका लाभ गरीब और मध्यम वर्ग को नहीं मिल रहा है। बड़े-बड़े कारपोरेट जगत के लोग फायदा उठा रहे हैं। आम आदमी टैक्स एवं शुक्ल से बुरी तरह प्रताड़ित होकर विद्रोह करने की स्थिति में आ गया है। शासन एवं प्रशासन में बैठे हुए लोगों को समझना होगा कि अब टैक्स बढ़ाने का नहीं, बल्कि टैक्स कम करने का समय है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी के कारण अपने परिवार की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। जीवन जीने के लिए उसे संघर्ष करना पड़ रहा है। उसके बाद भी वह अपने प रिवार का जीवन यापन नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में वह करो या मरो की स्थिति में ख़ड़ा है, यह स्थिति सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था के लिए अत्यंत खराब है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को टैक्स का बोझ बढ़ाने के स्थान पर आम आदमी को राहत पहुंचाने की दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों से ग्राम पंचायतों से जो आ र्थिक सहायता मिलती थी, पिछले वर्षों में वह घटती जा रही है। अब पंचायतों से कहा जा रहा है कि वह विकास एवं खर्च के लिये टैक्स की वसूली करें। पहले नगरीय निकायों की चुंगी प्रत्यक्ष रुप से की जाती थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 128, निफ्टी 51 अंक गिरा

मुम्बई ।(एजेंसी)

शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से लगातार तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट रही। आज के कारोबार के दौरान रियल्टी, फार्मा और एफएमसीजी के शेयर सबसे ज्यादा टूटे हैं। वहीं उर्जा , वाहन के अलावा धातु शेयरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 128.90 अंक करीब 0.21 फीसदी नीचे आकर 61,431.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 51.80 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी फिसलकर 18,129.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान डिविस लैबोरेटरीज , अडानी पोर्टस , एसबीआई, आईटीसी और पॉवर ग्रिड के शेयर निफ्टी में सबसे अधिक नुकसान वाले रहे। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, कोटक महिन्द्रा बैंक, भारतीय एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एचसीएल टैक्नोलॉजीज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। भारतीय स्टेट बैंक का शुद्ध मुनाफा मार्च तिमाही में 83.18 फीसदी बढ़कर 16,694.51 करोड़ रुपये रहा। वहीं पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक का लाभ 9,113.53 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 292.66 अंक की बढ़त के साथ 61,853.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 78.15 अंक की बढ़त के साथ 18259.15 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जिन शेयरों में तेजी दिख रही है उनमें हिंडाल्को, हीरो मोटोकार्प, इंफो सिस, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो के शेयर शामिल हैं। जिन शेयरों में गिरावट दिख रही है उनमें डिविलैब, एमएंडएम, बीपीसीएल, डॉ रेडडी और टाइटन के शेयर शामिल हैं।

शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश 11 प्रतिशत घाटा

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश 2023 की मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत घटकर 542 अरब डॉलर रहा है। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। जनवरी-मार्च, 2022 में शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश 612 अरब डॉलर था। तिमाही आधार पर भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश सात प्रतिशत घटा है। अक्टूबर-दिसंबर, 2022 में यह 584 अरब डॉलर रहा था। इससे पिछली लगातार तीन तिमाहियों में भारतीय शेयर बाजारों में उनका निवेश बढ़ा था। इसके साथ ही भारतीय शेयरों में एफपीआई का बाजार पूंजीकरण मार्च, 2022 के 17.8 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत रह गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड धनराशि निकालने के बाद, एफपीआई ने पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भी अपनी बिकवाली जारी रखी। विश्व स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरें बढ़ाए जाने के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 37,631 करोड़ रुपए निकाले। वर्ष 1993 में विदेशी निवेश की शुरुआत के बाद से, यह पहली बार है जब एफपीआई दो वित्त वर्षों के लिए लगातार बिकवाल रहे हैं।

गोफर्स्ट ने 26 मई तक अपनी सभी उड़ाने रद्द की

नई दिल्ली । समस्या में फंसी विमानन कंपनी गोफर्स्ट 26 मई तक उड़ानों का परिचालन नहीं करेगी। हालांकि कंपनी ने उम्मीद जताई कि वह जल्दी ही बुकिंग बहाल करेगी। दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही गोफर्स्ट ने तीन मई से उड़ानों का संचालन निलंबित कर रखा है। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कंपनी को अगले आदेश तक बुकिंग रोकने का निर्देश दिया है। गोफर्स्ट ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि परिचालन संबंधी कारणों से 26 मई, 2023 तक की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कंपनी ने कहा कि जल्द ही बुक की गई टिकट का पूरा पैसा वापस कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि कंपनी ने तत्काल समाधान और परिचालन की बहाली के लिए आवेदन दायर किया है। हम जल्दी ही बुकिंग बहाल करने में सक्षम होंगे।

बाइडन को विश्वास - अमेरिका नहीं करेगा कर्ज अदायगी में चूक

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भरोसा जताया कि उनका देश ऋण अदायगी में चूक नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सांसदों के साथ बातचीत सार्थक रही है। व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम से बाइडन ने कहा है` कि मुझे विश्वास है कि हम बजट पर समझौता कर लेंगे और अमेरिका ऋण चूक नहीं करेगा। सभी सांसद साथ आ जाएंगे क्योंकि और कोई विकल्प नहीं है। बाइडन का यह बयान जापान के हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना होने से ठीक पहले आया है।

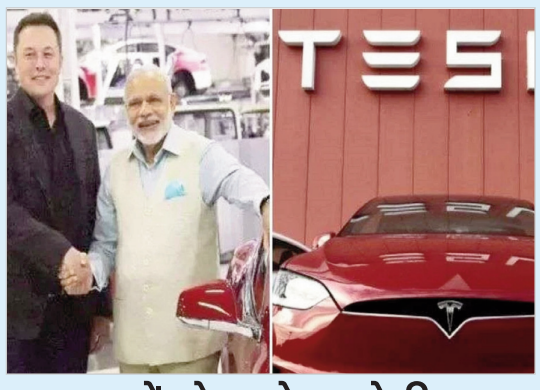

भारत में प्रवेश करेगा इले किट्रक वाहन विनिर्माता टेस्ला

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता टेस्ला ने भारत सरकार से संपर्क साधा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टेस्ला को सीमा शुल्क पर कोई छूट नहीं देने का रुख ही कायम है क्योंकि इस समय सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा दे रही है। नाम गोपनीय रखने का आग्रह करते हुए अधिकारी ने कहा` कि उन्होंने हमसे बैठक करने के लिए संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना चाहती है और इसलिए कंपनी की ओर से सीमा शुल्क में छूट की पहले की गई मांग को स्वीकार नहीं किया गया था। उन्होंने कहा` कि फिलहाल हमें नहीं पता कि वह उसी प्रस्ताव के साथ आ रहे हैं या कोई अन्य प्रस्ताव ला रहे हैं। हालांकि अधिकारी ने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय इस समय सीमा शुल्क में बिल्कुल भी कटौती नहीं कर रहा है। उसने ऐसे प्रस्ताव अपने वित्त मंत्रालय को विचार के लिए भेजे हैं।

टेक कंपनी एप्पल 5 जून को आईओएस 17 सॉफ्टवेयर वर्जन पेश करेगी

मुंबई ।(एजेंसी)

टेक जाइंट एप्पल अगले माह यानी जून में होने वाली वर्ल्डवाइड डेवलपर कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) में अपना अपकमिंग आईओएस 17 सॉफ्टवेयर वर्जन पेश करने वाला है। बता दें कि डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 5 जून को होगा। हालांकि, इवेंट से पहले ही एप्पल के नए ऑपरेटिंग सिस्टम से जुड़ी डिटेल्स लीक हो रही है। इस साल के डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में आईओएस 17, आईपेडओस 17, मेकओएस14, बॉचओस10 और टीवीओएस 17 ऑपरेटिंग सिस्टम पेश होने की उम्मीद है। आईओएस 17 ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) के लांच होने से आईफोन में कई नए फीचर्स जुड़ जाएंगे, जो इनकी परफॉर्मेंस को और बेहतर बना देने वाले हैं।

बताया जा रहा हैं कि एप्पल आईओएस 17 अपडेट से एप्पल डिवाइस के कंट्रोल सेंटर में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। बता दें कि इस साल कंट्रोल सेंटर 10 साल का हो जाएगा, इसलिए बदलावों का अनुमान लगाया जा रहा है। पिछली बार आईओएस 11 के साथ एक डिजाइन बदलाव हुआ था ।

बता दें कि पहली बार आईफोन के लिए कंट्रोल सेंटर में अपडेट आईओएस 7 के साथ पेश किया गया था। उस समय इस एक्सेस करने के लिए डिस्प्ले में नीचे से ऊपर की तरफ स्वाइप करना होता था। इसके बाद एप्पल ने आईओएस 11 अपडेट में कंट्रोल सेंटर में बदलाव किया था, जिसमें डिस्प्ले स्क्रीन में ऊपर दाईं तरफ से नीचे स्वाइप करने पर इस एक्सेस कर सकते हैं। तब से अब तक आईफोन में कंट्रोल सेंटर यूं ही काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार,आईफोन 8, आईफोन 8 प्लस और आईफोन एक्स को नया आईओएस वर्जन का सपोर्ट नहीं मिलेगा। इसके अलावा, फर्स्ट जेन के आईपैड प्रो 9.7-इंच, आइपैड प्रो 12.9-इंच और पांचवी जेन के आईपैड को भी आईपैडओएस 17 का अपडेट नहीं मिल पाएगा। रिपोर्ट को मानें तब आईफोन और आईपैड को आईओएस 17 का सपोर्ट नहीं मिलेगा। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि ये मॉडल्स काफी पुराने हो चुके हैं और नए फीचर्स को सपोर्ट करने के लिए लेटेस्ट हार्डवेयर की भी जरूरत होती है। ये वहां सॉफ्टवेयर हैं जिन्हें नवंबर 2015 और नवंबर 2017 के बीच लांच किया गया था। हालांकि, इस पर अभी एप्पल की तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

आईफोन एक्सएस, आईफोन एक्सएस मैक्स, आईफोन एक्सएस एक्सआर, आईफोन 11 सीरीज, आईफोन एक्सएस 11 प्रो सीरीज, आईफोन 12 सीरीज, आईफोन 12प्रो, सीरीज, आईफोन 13 सीरीज, आईफोन 13 प्रो सीरीज, आईफोन 14 सीरीज, आईफोन 14 प्रो सीरीज को इसका सपोर्ट मिलेगा।

मस्क ने एक झटके में कमाए 4,33,78,02,00,000 रुपये, अंबानी-अडानी को नुकसान

मुंबई ।(एजेंसी)

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के लिए बुधवार का दिन काफी अच्छा रहा। बुधवार को टेस्ला के शेयरों की कीमत में करीब पांच फीसदी तेजी आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में 5.25 अरब डॉलर यानी 4,33,78,02,00,000 रुपये का जबदस्त उछाल आया। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 172 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 34.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट के बाद मस्क दूसरे नंबर पर हैं। आरनॉल्ट की नेटवर्थ 202 अरब डॉलर है। इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बुधवार को 68.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। उनकी नेटवर्थ में इस साल 3.10 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अंबानी की नेटवर्थ अब 84 अरब डॉलर रह गई है। इसी तरह अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में भी बुधवार को 48.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। उनकी नेटवर्थ अब 53.9 अरब डॉलर रह गई है। अडानी ने इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवा दी है। उनकी नेटवर्थ में जनवरी से अभी तक 66.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। वहीं अमेजान के जेफ बेजोस 139 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। बुधवार को उनकी नेटवर्थ में 1.98 अरब डॉलर की तेजी आई। माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 125 अरब डॉलर है। अमेरिका के दिग्गज इनवेस्टर वॉरेन बफे 115 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पांचवें नंबर पर हैं। लैरी एलिसन (112 अरब डॉलर) छठे, लैरी पेज (110 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बामर (109 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (104 अरब डॉलर) नौवें, और कार्लोस स्लिम (93.7 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

रेनॉल्ट कंपनी की नई कार का नाम है राफेल

-लड़ाकू जेट राफेल से प्रेरणा लेकर रखा गया है नाम

नयी दिल्ली ।(एजेंसी)

जानी-मानी रेनॉल्ट कंपनी की अपकमिंग नई कार का नाम राफेल है। इसका ये नाम 1930 के दशक से निर्मित दुर्जेय लड़ाकू जेट राफेल से प्रेरणा लेकर रखा गया है। राफेल कार और जेट दोनों ही ही फ्रांस में निर्मित हैं। हाल ही में कंपनी ने इस कार टीजर जारी किया है।

रेनॉ निसान सीएम एफ-सीडी प्लेटफॉर्म पर निर्मित रेनॉ राफेल ऑस्ट्रल कॉम्पैक्ट एसयूवी का एक प्रकार है, जो पहले से ही चुनिंदा बाजारों में पेश की जा रही है। ऑस्ट्रल को 2022 के आखिर में लॉन्च किया गया था, रेनो राफेल को ले बॉर्गेट में आगामी पेरिस एयर शो में प्रदर्शित किया जाएगा। रेनो इस क्रॉसओवर के बारे में बड़े-बड़े दावे कर रही है। रेनॉ राफेल में 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड गैसोलीन इंजन दिया जा सकता है, जो 130 एचपी का पावर और 205 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। हालांकि इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यह कहा जा सकता है कि ये कार सीएमएफ-सीडी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसे हाइब्रिड इंजन द्वारा संचालित किए जाने की उम्मीद हैरेनो की ग्लोबल मार्केटिंग टीम के सिल्विया डॉस सैंटोस ने एक प्रेस बयान में कहा- राफेल नाम सुनते ही दिमाग में तुरंत टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस और साहस की भावना के साथ-साथ ड्राइविंग आनंद और चपलता का ध्यान आता है।

जोमैटो की यूपीआई सेवा शुरू

नई दिल्ली । जोमैटो भारत में अपने कुछ यूजर्स के लिए यूपीआई सर्विस की पेशकश करने वाला पहला ऑनलाइन फूड और ग्रोसरी डिलीवरी ऐप बन गया है। जोमैटो ने यूपीआई सर्विस देने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के साथ हिस्सेदारी की है। इसके साथ ही जोमैटो अपने यूजर्स के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लिए थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के रूप में लाइव हो गया है। जोमैटो के यूजर्स ऐप पर नई यूपीआई आईडी बनाने के लिए साइन अप कर सकते हैं। इससे यह होगा कि वह जोमैटो ऐप पर रहकर ही यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे और उन्हें पेमेंट करने के लिए पेटीएम, गूगलपे और फोनपे या जैसे किसी अन्य यूपीआई ऐप पर रीडायरेक्ट नहीं होना पड़ेगा। जोमैटो यूपीआई की शुरुआत के साथ अब आप आसानी से अपने जोमैटो यूपीआई के जरिए सीधे अपने भोजन के बिलों का पेमेंट कर सकते हैं। यह अतिरिक्त चरणों या विभिन्न पेमेंट ऐप्स के बीच स्विच करने की जरूरत को खत्म कर देगा। इससे जोमैटो यूजर्स के लिए पेमेंट प्रोसेस आसान और अधिक सहज हो जाएगी।

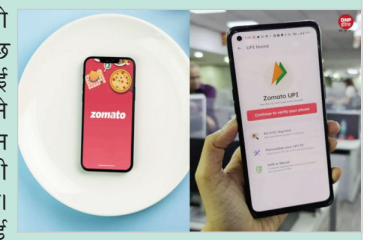

मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन की कीमतों में रही नरमी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

विदेशों से सस्ते खाने के तेलों का आयात बढ़ने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बुधवार को सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल जैसे सभी खाद्य तेलों में गिरावट आई। बाजार सूत्रों ने बताया कि मलेशिया और शिकागो एक्सचेंज में मंदी का रुख है। इधर देश में सस्ते आयातित तेलों की भरमार के कारण देश के तिलहन किसानों की उपज न खप पाने की वजह से उनके बीच घोर निराशा है। उनकी हालत इतनी खराब है कि वे अपने कर्मचारियों को वेतन ठीक से नहीं दे पा रहे हैं और कुछ जगहों पर कर्मचारियों को रोजगार से हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश में अगले महीने गर्मी की सूरजमुखी फसल आने वाली है और पूरे आसार हैं कि इसका भी हाल सरसों जैसा ही हो। बुधवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 4,870-4,970 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,610-6,670 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात), 16,430 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,460-2,725 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,225 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,570-1,650 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,570-1,680 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,980 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,750 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,200 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,600 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,650 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,950 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला 8,950 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,225-5,275 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,975-5,055 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

फ्यूचर रिटेल को खरीदने स्पेस मंत्रा ने लगाई सबसे बड़ी बोली

मुंबई ।(एजेंसी)

फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए अडानी और अंबानी दोनों मैदान से बाहर हो गए हैं। अब कंपनी को खरीदने के लिए 6 बिड मिली हैं। सबसे बड़ी बोली स्पेस मंत्रा की है, जबकि पांच अन्य कंपनियों ने कंपनी के कुछ हिस्सों के लिए अपनी बोली लगाई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन पांच बिडर्स में पिनेकल एयर, पलगुन टेक एलएलसी, लहर सॉल्यूशंस, गुडविल फर्नीचर और सर्वभिष्ट ई-वेस्ट मैनेजमेंट शामिल हैं। 23 मार्च को, फ्यूचर रिटेल के लेंडर्स ने नए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) को आमंत्रित किया था, जिससे संभावित खरीदार कर्ज में डूबी फर्म के लिए बोली लगा सकते हैं। अप्रैल में रिलायंस रिटेल और अडानी ग्रुप से हित 48 कंपनियों को फ्यूचर रिटेल के लिए योग्य रिज़ॉल्यूशन आवेदकों की लिस्ट में शामिल किया गया था। 10 अप्रैल को एफआरएल ने 49 कंपनियों की एक लिस्ट अपडेट की, जिन्होंने कंपनी के लेंडर्स द्वारा अपनी संपत्ति को समूहों में विभाजित करने के बाद नई बोलियां आमंत्रित करने का फैसला करने के बाद ईओआई प्रस्तुत किया था।

ईओआई जमा करने वाले कुछ अन्य प्लेयर्स में डब्ल्यूएचस्मिथ ट्रैवल लिमिटेड, सहारा एंटरप्राइजेज, सेंचुरी कॉपर कॉर्प, ग्रीनटेक वर्ल्डवाइड, हर्षवर्धन रेड्डी, जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, पिनेकल एयर प्राइवेट लिमिटेड और यूनिवर्सल एसोसिएट्स शामिल थे।

वीडियो मेकिंग प्लेटफार्म टिकटॉक खतरनाक: एलन मस्क

अरबपति कारोबारी ने टिकटॉक पर हमला बोला

सैन फ्रांसिस्कों ।(एजेंसी)

चाइन निर्मित वीडियो मेकिंग प्लेटफार्म टिकटॉक को अरबपति एलन मस्क द्वारा खतरनाक बताया जा रहा है। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने टिकटॉक पर हमला बोला है। मस्क ने एक शोध का हवाला देते हुए इसे 'बेहद विनाशकारी' बताया है।

एलन मस्क द्वारा टिकटॉक की खुलेआम आलोचना करने से यह चर्चा भी चल पडी है कि कहीं मस्क खुद टिकटॉक जैसा ऐप लाने की तैयारी तो नहीं कर रहे हैं। एलन मस्क ने रिसर्च के सार का फोटो शेयर करते हुए लिखा, अगर यह सही है तो यह बहुत विनाशकारी है। रिसर्चर ने एक 13 वर्षीय बालक के नाम से एक काले पनिक टिकटॉक अकाउंट इसके प्रभावों को आंकने के लिए बनाया था। कुछ समय बाद ही उसकी फीड ईटिंग डिस्ऑर्डर, बॉडी ईमेज, खुद को नुकसान पहुंचाने वाले और आते महते या वाले वीडियो से भर गई। रिसर्चर का दावा है कि टिकटॉक से बच्चों पर गहरा नकारात्मक असर हो रहा है। एलन मस्क ने ट्विटर के सीईओ का पद छोड़ने का ऐलान पिछले सप्ताह कर दिया था। लिंडा सायरिनो के नाम की घोषणा नए सीईओ के रूप में करते हुए उन्होंने कहा था कि वे अब ट्विटर के प्रोडक्ट डिजाइन और टेक्नोलॉजी का कामकाज देखेंगे।

ट्विटर का 44 बिलियन डॉलर में अधिग्रहण करने के बाद मस्क ने तत्तकालीन सीईओ पराग अग्रवाल की छुट्टी कर दी थी। मस्क स्वयं ही तब से ट्विटर के सीईओ बने हुए हैं।यासरिनो की नियुक्ति की घोषणा ऐसे समय में की गई है जब ट्विटर कई चुनौतियों से जूझ रहा है। कंपनी का राजस्व लगातार गिर रहा है। विज्ञापनदाता उसका साथ छोड़ रहे हैं। पिछले सात महीनों में ही कंपनी की कमाई 50 फीसदी गिर चुकी है।ग्लोबल एडवरटाइजिंग कंपनी एनबीसी यूनिवर्सल मीडिया की चेयरमैन लिंडा यासरिनो के हाथ ट्विटर की कमान होगी। वे पेन स्टेट यूनिवर्सिटी की छात्रा रही हैं। एनबीसी यूनिवर्सल में वे करीब एक दशक से काम कर रही हैं। लिंडा यासरिनो ने टर्नर में 19 वर्षों तक काम किया है। जब उन्होंने टर्नर छोड़ी तब वे एडवर्टाइजिंग सेल्स, मार्केटिंग और अधिग्रहण की वाइस प्रेसीडेंट थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यासरिनो और उनकी टीम ने अब तक एड सेल्स से 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा का रेवेन्यू जेनेरेट किया है।

भारतीय सैला नियों के लिए ब्रिटेन, अमेरिका पसंदीदा जगहः एयरबीएनबी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

विदेश जाने वाले भारतीय सैलानियों के बीच ब्रिटेन, अमेरिका और विभिन्न यूरोपीय देश सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा स्थान के तौर पर उभरे हैं। वहीं देश में लोग गोवा, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों को पसंद कर रहे हैं। होटल बुकिंग के ऑनलाइन मंच एयरबीएनबी ने कहा कि भारतीय यात्रियों ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए रात गुजारने को लेकर होटल बुकिंग पिछले वर्ष समान तिमाही की तुलना में दोगुनी से ज्यादा की है। एयरबीएनबी ने कहा कि जहां एक ओर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बढ़ रही हैं, वहीं भारतीय देश के विभिन्न स्थानों पर भी यात्रा का आनंद उठाना पसंद कर रहे हैं। वह अलग-अलग शहरों की खास जगहों और पहाड़ों पर छुट्टियां बिताने के विकल्प तलाश रहे हैं। कंपनी ने कहा कि इस अवधि में सबसे ज्यादा बुक की जाने वाली जगहों में गोवा शीर्ष पर रहा। इसके बाद बेंगलुरू, पुणे, दिल्ली और कुल्लू का स्थान रहा। एयरबीएनबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और विदेश से भारत आने वाले यात्रियों के मामले में अच्छी गति देखी जा रही है।

Sports

भारत ने बांग्लादेश को व्हीलचेयर टी20 क्रिकेट में हराया

गाजियाबाद । भारतीय टीम ने बांग्लादेश को व्हीलचेयर टी20 क्रिकेट सीरीज के त्रिकोणीय मैच में हरा दिया है। भारत की ओर से राजा बाबू ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में शानदार प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। गाजियाबाद के राजाबाबू दिव्यांग उत्तर प्रदेश टीम के कप्तान भी रहे थे। राजा बाबू का व्हील चेयर से ही हेलीकॉप्टर शॉट काफी मशहूर है। वह भारतीय टीम में एक फिनिशर के तौर पर शामिल हुए। टूर्नामेंट के अंतिम मैच में राजा बाबू ने 17 रन बनाए थे और 2 छक्के लगाये थे। वहीं उमेश कौशिक को टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का के लिए पुरस्कार मिला। बांग्लादेश तीनो ही मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना पायी और हार गयी। गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने भी राजा बाबू को सम्मानित किया है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स का मुकाबला

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मैच

धर्मशाला ।(एजेंसी)

आईपीएल में शक्रवार को यहां राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की टीमों के बीच मुकाबला होगा। इन दोनो ही टीमों का अब तक का प्रदर्शन बराबर ही रहा है। ऐसे में किसी भी टीम को प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। दोनो ही टीमों के 13 मैचों में समान 12 अंक हैं पर राजस्थान की टीम बेहतर रन रेट के आधार पर पंजाब से आगे है। पंजाब को पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। दिल्ली के खिलाफ टीम की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी विफल रही थी। ऐसे में राजस्थान के पास इस मैच में बड़ी जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी संभावनाएं बनाने का अवसर कहा जा सकता है। इन दोनों टीम को प्लेऑफ की संभावनाओं के लिए इस मैच में जीत दर्ज करने के अलावा अन्य टीम के मैचों में भी अनुकूल परिणाम की उम्मीद करनी होगी। इसके बाद भी इनके इस टूर्नामेंट में आगे पहुंचने की संभावनाएं न के बराबर हैं। पंजाब की टीम दिल्ली के खिलाफ विफल रही है। उसके तेज गेंदबाजों ने पावर प्ले और डेथ ओवरों में जमकर रन दिये जिससे टीम को नुकसान हुआ। कैगिसो रबाडा, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों ने करीब 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए जिससे टीम पर दबाव आया।

अर्शदीप को कैपिटल्स के खिलाफ मैच में पावर प्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी के लिए नहीं बुलाया गया जिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह तेज गेंदबाज डेथ ओवरों में अपनी यॉर्कर और शुरू में अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान करता रहा है। अर्शदीप के प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता की कमी रही है। अब इस मैच में उनके प्रदर्शन पर नजरें रहेंगी। टीम के लिए अंतिम ओवर स्पिनर हरप्रीत बरार को देना भी भारी पड़ा। दिल्ली ने इस ओवर में जमकर रन बनाये।

पंजाब के कप्तान शिखर धवन दिल्ली के खिलाफ मैच में अपना खाता तक नहीं खोल पाये जिससे टीम लक्ष्य का पीछा करने में शुरू में ही पिछड़ गयी थी। ऐसे में अब इस मैच में धवन को बढ़ा स्कोर बनाकर टीम को आगे ले जाना होगा। टूर्नामेंट के पहले चरण में शानदार खेल रही कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स की टीम को देखकर लग रहा था कि इसे हराना बेहद मुश्किल है पर इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और पिछले पांच मैचों में से वह केवल एक मैच में जीत पाई है जिससे उसपर भी इस मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का दबाव है। राजस्थान के पास बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल और गेंदबाजी में युजवेंद्र चहल जैसे बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी उसकी टीम अहम अवसरों पर विफल रही है। जोस बटलर और कप्तान सैमसन ने भी पिछले कुछ मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है।

इन दोनों से ही टीम को इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रॉयल्स की टीम शुरुआत में बेहतर प्रदर्शन कर तालिका में शीर्ष पर थी पर लीग के आगे बढ़ने के साथ ही वह पिछड़ती गयी और अब सबसे निचले स्तर पर है।

निशानेबाज अंजुम को मिला अर्जुन अवार्ड

चंडीगढ़ ।(एजेंसी)

केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां एक समारोह में महिला निशानेबाज निशानेबाज अंजुम को अर्जुन अवार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर अंजुम ने कहा कि यह मेरी जिंदगी का ऐसा अवार्ड है जो जब मिला तब लगा कि वाकई अपने देश, अपने परिवार और अपने खेल निशानेबाजी में काफी कुछ किया है जिससे बेहद खुशी हुई। साथ ही कहा कि यह अवार्ड चंडीगढ़ के हर उस निशानेबाज का है, जो अंतरराष्ट्रीय पदक लाने के सपने देखता है। गौरतलब है कि अंजुम को साल वर्ष 2019 में अर्जुन अवार्ड मिला था पर तब वह और तीन अन्य खिलाड़ी विदेश में होने के कारण अर्जुन और द्रोणाचार्य अवार्ड नहीं ले पाए थे। उसके बाद अगले दो साल तक कोरोना महामारी के कारण किसी प्रकार के समारोह नहीं हुए थे।

इटालियन ओपन : स्वियातेक चोटिल होने के कारण क्वार्टर फाइनल से हटीं

रोम । विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को जांघ की चोट के कारण इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हटना पड़ा है। ऐसे में उनकी विरोधी खिलाड़ी इलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। स्वियातेक को रायबाकिना के खिलाफ तीसरे सेट के दौरान दर्द बढ़ने पर हटना पड़ा। उस समय दोनो का स्कोर 2-2 से बराबरी पर था। तब स्वियातेक ने पहला सेट 6-2 से जीता था जबकि रायबाकिना ने दूसरा सेट 7-6 (3) से जीतकर इस मैच को तीसरे और अंतिम सेट तक खींचा था। इस चोट के कारण स्वियातेक के 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में भी खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। वहीं अब रायबाकिना का मुकाबला सेमीफाइनल में येलेना ओस्टापेंको से होगा। येलेना ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाउला बाडोसा को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया था। वहीं महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा और यूक्रेन की एंहेलिना कालिनिना के बीच मुकाबला होगा।

बजरंग , साक्षी सहित अन्य पहलवानों ने बंगला साहिब गुरुद्वारे तक मार्च किया

विरोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे : विनेश

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगट सहित कई पहलवानों ने यहां जंतर मंतर पर धरने के 25 वें दिन भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर कार्रवाई की मांग करते हुए बंगला साहिब गुरुद्वारा तक पैदल मार्च किया।

इस दौरान विनेश ने कहा, हम इस विरोध को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे। हम अंतरराष्ट्रीय ओलंपियन को पत्र लिखेंगे और उन्हें हमारे समर्थन में पत्र लिखने के लिए कहेंगे। रियो ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने भी इस बात पर जोर दिया और कहा कि महासंघ को लगता है कि हमारा विरोध जंतर-मंतर तक ही सीमित है।

साक्षी ने कहा, हम जंतर मंतर से बाहर कदम रखेंगे। हमें लगता है कि हमारा विरोध सीमित हो रहा है। हम चाहते हैं कि हमारा विरोध हर किसी तक पहुंचे क्योंकि यह हमारे देश की महिलाओं की लड़ाई है। वहीं दूसरी ओर केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों के धरने पर कहा, उनकी चिंताओं को भी सुना गया और समिति का गठन किया गया। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा कुश्ती एथलीटों के लिए परीक्षण भी शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला दे दिया है। दिल्ली पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज कर ली है और बयान दर्ज कर रही है। मजिस्ट्रेट भी बयान दर्ज कर रहे हैं। ऐसे में पहलवानों को भी कानून और व्यवस्था पर विश्वास होना चाहिए और अपना विरोध खत्म करना चाहिए। वहीं इससे पहले खेल मंत्रालय ने घोषणा की कि भारतीय ओलंपिक संघ 45 दिनों के भीतर भारतीय कुश्ती महासंघ की कार्यकारी समिति के चुनाव कराने के लिए एक तदर्थ समिति का गठन करेगा। इसके गठन के लिए, एथलीटों के चयन और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए प्रविष्टियां करने सहित शरीर के दिन-प्रतिदिन के मामलों का प्रबंधन करना। नई कार्यकारी समिति के कार्यभार ग्रहण करने तक यह समिति अंतरिम अवधि के लिए कार्य करेगी।

संक्षिप्त समाचार

नॉर्किया ने कैच छोड़ा तो भड़के कुलदीप और पोंटिंग

धर्मशाला । आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को यहां हुए लीग मुकाबले में पंजाब किंग्स को हरा तो दिया पर इस मैच में दिल्ली की फील्डिंग बेहद खराब रही। इससे उसके हाथों से मैच निकल सकता था पर पंजाब किग्स उन अवसरों को भुना नहीं पायी। वहीं, बार-बार फील्डिंग में हुई गलतियों से दिल्ली के कोच रिकी पोंटिंग बेहद नाराज दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मैच में दिल्ली के खिलाड़ियों ने कई गलतियां की। ऐसी ही एक गलती दिल्ली के गेंदबाज कुलदीप यादव की गेंद पर तब हुई जब पंजाब के आक्रामक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबाजी कर रहे थे। उस समय लिविंगस्टोन का कैच गिरा तो पोंटिंग और कुलदीप भड़क गये। यह कैच फील्डिर एनरिक नॉर्किया पकड़ नहीं पाये थे। इसपर कुलदीप गुस्से में कुछ कहते दिखे। वहीं डगआउट में बैठे दिल्ली के कोच पोटिंग भी नॉर्किया की गलती से हताश दिखे हालांकि लिविंगस्टोन की आक्रामक बल्लेबाजी के बाद भी दिल्ली ने मैच जीत लिया। दिल्ली पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी थी। वहीं इस हार से पंजाब भी प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। लिविंगस्टोन ने इस मैच में 48 गेंद में 94 रनों की पारी खेली पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला।

श्रीलंकाई खिलाड़ी गुणतिलका को राहत , तीन आरोप वापस लिए गये

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया दौरे में यौन शोषण के आरोप में फंसे श्रीलंकाई क्रिकेटर धनुष्का गुणतिलका को कुछ राहत मिली है। सरकारी वकील ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के चार में से तीन आरोपों को वापस ले लिया है। गुणतिलका पर पिछले साल श्रीलंकाई टीम के दौरे के समय एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। गुणतिलका पर तब चार बार बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए गए थे जिसके बाद सिडनी पुलिस ने इस खिलाड़ी को नवंबर में टी20 विश्व कप के दौरान टीम होटल से गिरफ्तार कर लिया था। अब सरकारी वकील ने सिडनी की एक अदालत में तीन आरोप वापस ले लिए। पुलिस के अनुसार श्रीलंकाई बल्लेबाज यहां 29 वर्षीय एक महिला से 'डेटिंग ऐप के जरिए मिला था। इसके बाद दोनों महिला के सिडनी स्थित आवास पर पहुंचे जहां गुणतिलका ने कथित तौर पर महिला से जबरदस्ती संबंध बनाये। वहीं अब सरकारी वकील ह्यूग बडिन ने कहा कि एक आरोप प्रमाणित हुआ है जबकि बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के तीन आरोपों को वापस ले लिया गया है।

पहलवानों को अदालत से न्याय मिलने की उम्मीद , निगरानी समिति को बताया पुरानी बात

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे पहलवानों ने कहा है कि उन्हें इस मामले की जांच कर रही खेल मंत्रालय की निगरानी समिति से कोई उम्मीद नहीं है। पहलवानों के अनुसार उन्हें केवल अदालत से ही न्याय की उम्मीदें हैं। यह मामला अभी अदालत में है हालांकि खेल मंत्रालय ने 23 जनवरी को ही दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मेरीकोम की अध्यक्षता में एक छह सदस्यीय पैनल गठित किया था। यह समिति बृज भूषण पर पहलवानों के लगाये यौन शोषण और धमकी देने के आरोपों की जांच कर रही थी। इस समिति ने अप्रैल के पहले सप्ताह में ही अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी थी पर खेल मंत्रालय ने अभी तक उसके निष्कर्षों का खुलासा नहीं किया है। निगरानी समिति के निष्कर्षों को लेकर महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा, ''यह अतीत की बात है। हम इस पर विचार नहीं कर रहे हैं या यह नहीं सोच रहे हैं कि समिति ने क्या किया है या क्या नहीं किया है। समिति की अवधि तीन महीने की थी। अब वह समाप्त हो गयी है और अब हमारी न्याय पाने की एकमात्र उम्मीद अदालत पर ठिकी है। विनेश के अलावा ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित कई दिग्गज और युवा पहलवान विरोध प्रदर्शन में शामिल हैं। बुधवार को ही पहलवानों और उनके समर्थकों ने जंतर-मंतर से बंगला साहिब गुरुद्वारे तक जुलूस निकाला और वहां प्रार्थना की।

विनेश ने कहा, ''हमें विश्वास है कि हम न्याय की लड़ाई जीतेंगे। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे जिससे कि ना केवल वैश्विक कुश्ती समुदाय को हमारी हालत के बारे में पता चले बल्कि हम अन्य खेलों के खिलाड़ियों तक भी पहुंचेंगे। कोई भी देश खेल में यौन उत्पीड़न की घटनाओं से बचा नहीं है।''

आईपीएल में दसवीं बार शून्य पर ही आउट हुए धवन

धर्मशाला । पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहम मुकाबले में रन नहीं बना पाये और पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इस मैच में 214 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए धवन अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना ही आउट हो गये। आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के तौर पर यह दसवीं बार है जब धवन पहली ही गेंदब पर आउट हुए हैं। आईपीएल में सबसे अधिक बार पारी की शुरुआत करते हुए शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड पृथ्वी शॉ के नाम है। पृथ्वी 11 बार शून्य पर आउट हुए हैं। गौतम गंभीर और अजिंक्य रहाणे भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर 10-10 बार शून्य पर आउट हुए हैं। वहीं वॉर्नर के नाम पर 9 बार शून्य पर आउट होने का रिकार्ड है। धवन इस सत्र में ईशांत के खिलाफ संघर्ष करते दिखे हैं। दिल्ली में भी वह ईशांत की ही गेंद पर शून्य पर पेवेलियन लौटे थे।

पृथ्वी पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फार्म में वापस आये

धर्मशाला । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने पंजाब किंग्स के खिलाफ लीग मुकाबले में अर्धशतक लगाकर अपने फार्म में आने के संकेत दिये हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ अहम मुकाबले में पृथ्वी ने 38 गेंदों पर 7 चौके और एक छक्के की सहायता से 54 रन बनाए और अपनी टीम को एक अच्छ शुरूआत दी। यह पृथ्वी का पहला ही अर्धतक है। इससे पहले का उनका सत्र अच्छा नहीं रहा था। खराब फॉर्म से वापसी के बाद फार्म हासिल करने की खुशी मानना पृथ्वी को भारी पड़ गया और प्रशंसकों ने उन्हें ट्रॉल कर दिया। वह इससे पहले के मैच में पूरी तरह से विफल रहे थे जिससे इस सत्र में केवल पांच मैच ही दिल्ली जीत पायी है। इस कारण वह सबसे पहले प्लेऑफ से बाहर हुई है। पृथ्वी ने अपनी बल्लेबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, पावरप्ले में यहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि गेंद थोड़ी-सी तेजी से आर रही थी। साथ ही कहा कि जब आप उस लैंथ पर शॉट खेल रहे होते हैं तो वह इतना आसान नहीं रह जाता। यहां धीमी गेंद टैनिस बॉल की तरह उछल रही थी। पृथ्वी ने साथ ही कहा कि लंबे समय के बाद रन बनाकर उन्हें अच्छा लग रहा है। साथ ही कहा कि कभी-कभी लय हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत भी करनी पड़ती है। इस मैच में मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। आज गेंद अच्छी तरह से बल्ले पर आ रही थी। नई गेंद थोड़ी सी सीम कर रही है पर यह बल्लेबाजी के लिए भी अच्छा विकेट है। यहां ओस है। खेल शुरू होने से पहले भी ओस थी। यहां ऐसा ही रहता है। यदि आप रन बनाते हैं तो यह आपको लाभ देता है। वहीं, अपनी चोट पर पृथ्वी शॉ ने कहा कि उंगली में दर्द है पर मुझे शीघ्र ठीक होने का भरोसा है।

मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने कौशल को परखने के लिए तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम

(एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम अपने दौरे के पहले मैच में गुरुवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जहां वे एडिलेड के मेट स्टेडियम में 18 से 27 मई तक पांच मैच खेलेंगी। शीर्ष गोलकीपर सविता और उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का की अगुवाई वाली टीम श्रृंखला के पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो मैच होंगे। यह दौरा आगामी हांगझाऊ एशियाई खेलों 2023 के लिए भारतीय टीम की तैयारियों का हिस्सा है जो इस साल सितंबर-अक्टूबर में होगा। भारतीय टीम 20 मई और 21 मई को बैक-टू-बैक गेम खेलने से पहले 18 मई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के साथ अपने दौरे की शुरूआत करेगी। इसके बाद आगंतुक 25 मई और 27 मई को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबला करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम इस समय दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारतीय टीम आठवें स्थान पर है। विशेष रूप से, भारतीय महिला हॉकी टीम 14 मई को एडिलेड के लिए रवाना हुई और तब से वे ऑस्ट्रेलिया में परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए वहां प्रशिक्षण ले रही हैं। उसी पर बोलते हुए, कप्तान सविता ने कहा, हम हर रोज और यहां तक कि रोशनी के नीचे भी प्रशिक्षण ले रहे हैं ताकि टीम एडिलेड में मैदान और परिस्थितियों के लिए अभ्यस्त हो जाए क्योंकि हमारे मैच शाम को होने वाले हैं। उन्होंने कहा, आज सुबह हमारा प्रशिक्षण सत्र भी था, और टीम ने कुछ गेमप्ले किए, क्योंकि हम कल अपने पहले गेम के लिए तैयार हो रहे हैं। इस बीच, भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने कहा कि टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। शोपमैन ने कहा, खिलाड़ी उत्साहित हैं और ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। यहां मौसम काफी अच्छा है। हम अच्छा महसूस कर रहे हैं और यह दिखाने के लिए तैयार हैं कि हम पिछले कुछ हफ्तों से क्या काम कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया। यह भारतीय टीम के लिए एक ऐतिहासिक जीत थी क्योंकि वे केवल अपने तीसरे ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं और क्वार्टर फाइनल के लिए पहली बार क्वालीफाई किया था जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन बार के स्वर्ण पदक विजेता थे। भारतीय टीम ने बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों 2022 के सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी कड़ा संघर्ष किया और स्कोर को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में जगह बनाने के लिए पेनल्टी शूट-आउट 3-0 जीता, जो वे इंग्लैंड से हार गए। इस बीच, भारत ने अपना तीसरा/चौथा स्थान मैच जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम

- 18 मई, गुरुवारः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 14:15 भारतीय समयानुसार
- 20 मई, शनिवारः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 14:15 भारतीय समयानुसार
- 21 मई, रविवारः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 13ः45 भारतीय समयानुसार
- 25 मई, गुरुवारः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ए, 14ः15 भारतीय समयानुसार
- 27 मई, शनिवारः भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ए, 14ः15 भारतीय समयानुसार

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐसे मुस्कुराएगी गर्मियों में स्किन...

जी हां, गर्मियां जोर पकड़ रही हैं। घर से बाहर निकलना मानों मुसीबत को न्यौता देने हो गया है। गर्मियों में स्किन काफी नाजुक और सेंसिटिव हो जाती है। सूरज की तीखी किरणें, नमी की कमी व धूल-मिट्टी स्किन की रंगत कम कर देते हैं। आपकी खूबसूरत स्किन कैसे मौसम के इन थपेड़ों को सहने के बावजूद मुस्कुरा सकते हैं। जैसी स्किन, वैसी केयर। चेहरे की स्किन भी कई तरह की होती है इसलिए केयर के तरीके भी बदल जाते हैं।

नॉर्मल स्किन

ऐसी स्किन वालों का चेहरा काफी फ्रेश दिखता है। इस प्रकार की स्किन न तो ऑयली होती है और न ड्राई। ऐसी स्किन पर अगर कम मेकअप करें तो बेहतर होगा। अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम हफ्ते में एक दिन मेकअप फ्री रहें।

नॉर्मल स्किन की देखभाल

- नॉर्मल स्किन को हमेशा माइल्ड सोप (जैसे कि जॉनसन बेबी शॉप, डव, पीयर्स आदि) या फेशवॉश से साफ करें।
- चेहरे को धोते वक्त पानी का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- चेहरे की सफाई के लिए उसे धोने से पहले .लींजिंग लोशन या क्रीम लगाकर रुई से पोछें। जब भी बाहर से आएं तो चेहरे को साफ जरूर करें।
- जब मेकअप करें तो उसे सोने से पहले रिमूव जरूर करें।
- सर्दियों में और गर्मियों में नॉर्मल स्किन के लिए माकूल मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। आमतौर पर नॉर्मल स्किन के लिए ढेर सारे मॉइश्चराइजर आसानी से मिल जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

- तरबूज, कद्दू, खीरा और खरबूजे के बीज बराबर मात्रा में लेकर दूध में बारीक पीस लें और इसे मलाई के साथ फेस पर लगाएं। एक घंटे बाद धो दें।
- सरसों को बारीक पीस कर दूध या पानी में लेई-सी बना लें। इसके रोज लगाने से रंगत निखरती है।
- नहाते वक्त पानी में एक चम्मच जैतून का तेल मिला देने से स्किन मुलायम होती है।

ऑइली स्किन

ऑइली स्किन देखने में ऐसी लगती है जैसे चेहरे पर तेल लगाया हुआ हो। ऐसी स्किन को धोने के थोड़ी देर बाद तेल निकल आता है। इस तरह की स्किन पर लगया गया मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। ऐसी स्किन पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसी स्किन को खास ख्याल की जरूरत होती है। किशोरावस्था में ऐसी स्किन में कुछ ज्यादा ही चिकनाहट नजर आती है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम हो जाती है।

ऑयली स्किन की देखभाल

- फेस को कम से कम दिन में चार-पांच बाद धोएं।
- उसी मेकअप का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर ऑइली स्किन के लिए बनाया गया हो।
- ऐसी स्किन पर फेस-मास्क और पैक वही लगाएं, जो ऑइली स्किन के लिए ही बने हैं।
- अधिक मात्रा में चीनी, अधिक मसालेदार और ऑयली खाना न खाएं।
- मेकअप से पहले चेहरे पर ऐस्ट्रिनजेंट लगाएं।

घरेलू नुस्खे

- एक चम्मच शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर अपने चेहरे और गर्दन पर मलें। 10-15 मिनट बाद धो लें।
- दो चम्मच पपीते का गूदा, 10 बूंद नीबू के रस को डालकर अच्छी तरह मसलें। इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।
- मटर के दानों को छाया में सुखा कर पीस लें और शीशी में भरकर रखें। दो चम्मच गुलाब जल में एक चम्मच मटर पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं।जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करने स्किन में ऑयल कुछ कम होता है।
- संतरा, माल्टा, तरबूज या पपीता इन सबका रस चेहरे पर लगाएं। इनमें से किसी का भी रस 10-15 मिनट लगा कर रखें और बाद में चेहरा धो लें। इससे स्किन पोर्स खुल जाएंगे और खून का दौरा बढ़ेगा।

ड्राई स्किन

ऐसी स्किन पर खुश्की की वजह से सफेद-सफेद दाग

निकलने लगते हैं। सही देखभाल की कमी से ऐसी स्किन वाले वक्त से पहले ही बूढ़े नजर आने लगते हैं। ड्राई स्किन पर मौसम का असर फौरन होता है। तेज हवा, धूप और ठंडे पानी से ऐसी स्किन को बचाना चाहिए। इस तरह की स्किन को ठंडे पानी से कम धोना चाहिए और साबुन का इस्तेमाल भी कम करना चाहिए। ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम गर्दन और शरीर के उन भागों पर भी लगाएं, जो दिनभर खुले रहते हैं।

ड्राई स्किन की देखभाल

- साबुन का इस्तेमाल न करें, वरना स्किन और सूखी हो जाएगी।
- बहुत देर एयर कंडिशनर और रूम हीटर का इस्तेमाल न करें।
- अधिक देर तक सूरज के सामने बैठना स्किन को सूखा और बेजान बनाता है।
- अल्कोहल वाले स्किन लोशन का इस्तेमाल न करें।

घरेलू उपाय

- हफ्ते में एक बार चेहरे की मालिश जरूर करें।
- हफ्ते में एक बार खरबूजे के रस से चेहरे को धोएं।
- स्किन साफ करने या मेकअप रिमूव करने के बाद स्किन टॉनिक जरूर लगाएं।
- मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
- चेहरे को .लीजिंग मिल्क से साफ करें और ऐस्ट्रिनजेंट लोशन का इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा ड्राई स्किन के लिए मिल्क सोप का इस्तेमाल करें और कोल्ड क्रीम जरूर लगाएं।

ड्राई स्किन के लिए उबटन

- एक चम्मच बादाम रोगन में 10 चम्मच ठंडा कच्चा दूध और एक चम्मच चीनी मिलाकर रुई के फाहे से पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें।
- एक अंडे की जर्दी (पीला हिस्सा) में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाएं, पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। 30- 35 मिनट बाद चेहरा धो दें।
- 50 ग्राम सोयाबीन या मसूर की दाल को रात भर भिगोकर रखें। सुबह छिलका उतार कर बारीक पीसिए। उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और 4-5 बूंदें बादाम रोगन की डालें। पेस्ट बनाकर फेस पर लगाएं। सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें। यह पेस्ट अगली बार इस्तेमाल करने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं।
- एक चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से ड्राई स्किन में चमक आने लगती है।
- एक छोटा चम्मच बारीक पिसी हुई मुल्तानी मिट्टी में एक छोटा चम्मच गुलाब जल और .लीजिंग मिल्क मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- चेहरे की स्किन अगर लू लगने से खुश्क हो गई है तो एक कप पानी में एक चम्मच मख्खन डालकर गरम करें और चेहरे पर रुई के फाहे से लगाएं। ऐसा 10- 15 मिनट करें। फिर चेहरा सूखी रुई से पोंछ लें।

तरावट लाए तरबूज का शरबत

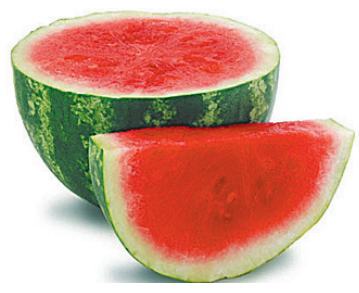

तरबूज का शरबत बहुत ही स्वादिष्ट होता है। यह हमें चिपचिपी गर्मी, धूप, लू, उमस, आदि में ठंडक देने का काम करता है। उत्तर भारत में तो लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं, लेकिन मुंबई में यह हर जगह मिलता है और लोग इसे बहुत पसंद भी करते हैं। तो आइये आज हम भी मुंबई का मशहूर तरबूज का शरबत बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री-

5 गिलास शरबत बनाने के लिये-

तरबूज - 2- 2.1/2 कि.ग्रा.

नींबू - 1

बर्फ के क्यूब्स - 1 कप

विधि-

तरबूज का शरबत बनाने के लिये सबसे पहले तरबूज को धोकर काटिये और फिर इसके मोटे हरे भाग को काट कर अलग कर दीजिये। अब लाल वाले भाग को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर मिक्सी में पीस लीजिये। थोड़ी देर बाद जब तरबूज का गूदा और रस

बिल्कुल घुल जाए तब इस जूस को छलनी में छान लीजिये।

अब इस जूस में नींबू निचोड़ कर अच्छे से मिलाइये और फिर इसे गिलासों में डाल दीजिये। ठंडा करने के लिये इसमें अपने अनुसार बर्फ डाल दीजिये और चाहें तो गिलास में शरबत के ऊपर 1-2 पोदीने की पत्तियाँ भी सजा दीजिये (यदि आप को इसमें मीठा कम लग रहा हो तो आप अपने स्वादानुसार इसमें चीनी मिला कर इसे और अधिक मीठा भी कर सकते हैं, लेकिन चीनी मिलाने के बाद यह जूस अपना वास्तविक स्वाद खो देता है)।

ठंडा-ठंडा तरबूज का शरबत तैयार है। अब इसे जितना मर्जी पीजिये और घर में सभी को पिलाइये।

यकीन मानिये इस शरबत को पीने के बाद आप बाजार में बिकने वाले बनाबटी रंग और स्वाद वाली रंगीन पानी की बोतलों को छुएंगे भी नहीं

जानिये आलू की खासियतें

भारत और विश्व में आलू विख्यात है और अधिक उपजाया जाता है7 आलू को हमेशा छिलके समेत पकाना चाहिए क्योंकि आलू का सबसे अधिक पौष्टिक भाग छिलके के एकदम नीचे होता है, जो प्रोटीन और खनिज से भरपूर होता है। आलू में स्टॉर्च, पोटाश और विटामिन ए व डी होता है।

यह अन्य सब्जियों के मुकाबले सस्ता मिलता है लेकिन है गुणों से भरपूर 7 आलू से मोटापा नहीं बढ़ता7 आलू को तलकर तीखे मसाले, घी आदि लगाकर खाने से

जो चिकनाई पेट में जाती है, वह चिकनाई मोटापा बढ़ाती है7 आलू को उबालकर अथवा गर्म रेत या राख में भूनकर खाना लाभदायक और निरापद है।

- आलू में विटामिन बहुत होता है।
- आलू को छिलके सहित गरम राख में भूनकर खाना सबसे अधिक गुणकारी है।
- भुना हुआ आलू पुरानी कब्ज और अंतड़ियों की सड़ांध दूर करता है7 आलू में पोटेशियम साल्ट होता है जो अम्लपित्त को रोकता है।
- चार आलू सेंक लें और फिर उनका छिलका उतार कर नमक, मिर्च डालकर नित्य खाएं। इससे गठिया ठीक हो जाता है।

हरा भाग खतरनाक

आलू के हरे भाग में सोलेनाइन विषैला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। आलू के अंकुरित हिस्से का भी प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आलुओं में प्रोटीन होता है, सूखे आलू में 8 .5 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

- आलू का प्रोटीन बूढ़ों के लिए बहुत ही शक्ति देने वाला और बुढ़ापे की कमजोरी दूर करने वाला होता है। आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी तथा फास्फोरस बहुतायत में होता है।
- आलू खाते रहने से रक्त वाहिनियां बड़ी आयु तक लचकदार बनी रहती हैं तथा कठोर नहीं होने पातीं।
- इसको छिलके सहित पानी में उबालें और गल जाने पर खाएं। यदि दो-तीन आलू उबालकर छिलके सहित थोड़े से दही के साथ खा लिए जाएं तो ये एक संपूर्ण आहार का काम करते हैं।
- आलू के छिलके ज्यादातर फेंक दिए जाते हैं, जबकि अच्छी तरफ साफ़ किये छिलके सहित आलू खाने से ज्यादा शक्ति मिलती है।

ऊर्जा का भंडार

केला

भारत में केला हर जगह पाया जाता है और इसकी सबसे अच्छी किस्में भारत में ही होती हैं 7 भले ही रोज एक सेब खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं, लेकिन केला खाने से आप अपनी पूरी जिन्दगी स्वस्थ्य रह सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है।

तो आइए जानते हैं केला खाने का स्वास्थ्य लाभ -

1 - केला खिलाड़ियों का प्रिय फल है क्योंकि यह तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। सुबह नाश्ते में केला खाने से ऊर्जा बढती है और सूकरोज़, फ्रक्टोज़ और ग्लूकोज जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं। यदि आप दिन भर भूखे प्यासे रहते हैं, तो केवल केला ही खा लें देखिये अन्य फल के मुकाबले केले से तुरंत एनर्जी मिलेगी।

2- केले में प्रोटीन पाया जाता है, जो कि दिमाग को आराम देता है इसलिए डिप्रेशन दूर करने में सहायक है 7

3- दूध के साथ केला और शहद मिला कर पीने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

4- केले में रेशा पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक व कब्ज़ की बीमारी वाले लोंगो के लिये केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। अक्सर यात्रा के दौरान कब्ज की शिकायत हो जाती है। इसको दूर करने के लिये केला एक अच्छा विकल्प है 7

5- केला शरीर के खून में हीमोग्लोबिन को बढाता है। जिससे एनीमिया की शिकायत दूर हो जाती है।वे लोग जो एनीमिया से प्रभावित हैं, उन्हें अपने भोजन में केला शामिल करना चाहिये।

6 - केले में पोटैशियम पाया जाता है, जो उच्चरक्तचाप के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी होता है7 केला खाने से उच्चरक्तचाप

सामान्य बना रहता है 7

7- दो केले लगभग 100 ग्राम दही के साथ सेवन करने से दस्त व पेचिश में लाभ होता है 7

8 - केले पर चीनी और इलायची डालकर खाने से खट्टी डकारें आनी बंद हो जाती हैं।

स्वादिष्ट कसूंदी का उठाएं जायका

कसूंदी सॉस खाने में बेहद स्वादिष्ट व चटपटी लगती है। इसे आप पकौड़ों, पिज़्ज़ा, सैंडविच या किसी भी स्नैक्स के साथ खा सकते हैं। कसूंदी बनाना बेहद आसान है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। तो आइये आज कसूंदी बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री-

राई (काली सरसों) - 2 टेबल स्पून
पीली सरसों - 2 टेबल स्पून
कच्चे आम - 2 या 300 ग्राम (मीडियम आकार के)
अदरक - 2 इंच लंबा टुकड़ा
हरी मिर्च - 4-5
लाल मिर्च - 1/2 छोटी चम्मच
जीरा - 1 छोटी चम्मच
धनिया पाउडर - 2 छोटी चम्मच
चीनी - 1 छोटी चम्मच
सरसों का तेल - आधा कप
हींग - 1/4 छोटी चम्मच से कम
हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच
सिरका - एक चौथाई कप
नमक - 2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार)

विधि-

आम को धोकर छीलिये और गूदा निकाल कर काट लीजिये, राई और पीली सरसों को अच्छी तरह से साफ कर लीजिये, हरी मिर्च के डंठल हटा कर मिर्चों को धो लीजिये और अदरक को छील कर धोकर उसके टुकड़े कर लीजिये।

मिक्सर में राई, पीली सरसों, आम का गूदा, हरी मिर्च, अदरक के टुकड़े, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर व चीनी डालकर बारीक पीस लीजिये और यदि ये मसाले पीसते समय पानी की आवश्यकता लग रही हो तो 1-2 टेबल स्पून पानी मिलाकर सभी मसालों को अच्छी तरह पीस लीजिये।

अब कढ़ाई में तेल गर्म कीजिये और उसमें पिसे हुए मसाले डालकर धीमी गैस पर 3-4 मिनट तक अच्छी तरह भूनिये। जब मसालों से भुनने की महक आने लगे तो गैस बंद कर दीजिये और मसालों के इस मिश्रण में सिरका व नमक मिलाकर इसे किसी कांच के कंटेनर में भर कर धूप में रख दीजिये। 3-4 दिन बाद जब आप देखें कि कसूंदी के ऊपर तेल तैरने लगा है तो समझ लीजिये कि कसूंदी खाने के लिये तैयार है। अब इसे आप गरमा गरम पालक या गोभी आलू के पकौड़ों के साथ परोस कर खाइये और बची हुई कसूंदी को फ्रिज में रखकर 6 महिने तक कभी भी खाइये।

सुझाव - कसुंदी को कांच के कंटेनर में भरने से पहले उस कंटेनर को उबलते हुए पानी से अच्छी तरह धोकर सुखालें ताकि कसूंदी जल्दी खराब न हो और ज्यादा दिन तक चल सके।

करोड़ों डॉलर के कॉल सेंटर घोटाले में शामिल मिला भारतीय नागरिक

न्यूयॉर्क । अमेरिका में करोड़ों डॉलर के कॉल सेंटर घोटाले में एक भारतीय नागरिक को शामिल पाया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया है। जानकारी के अनुसार अमेरिका में 28 वर्षीय भारतीय नागरिक ने मेल और वायर फ्रॉड करने की एक वर्षों पुरानी अंतरराष्ट्रीय साजिश में शामिल होना कबूल किया है। इस फ्रॉड के तहत अमेरिका में सैकड़ों पीड़ितों से लाखों डॉलर वसूले गए थे। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एंड्रयू एस. हैनन ने याचिका को स्वीकार कर लिया और 14 अगस्त को सुनवाई होगी। मामले में, मालवी को 20 साल तक की जेल और संभावित 250,000 डॉलर का अधिकतम जुर्माना हो सकता है। वह उस सुनवाई तक हिरासत में रहेगा। जानकारी के अनुसार टेक्सस के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी अटॉर्नी आलमदार एस. हमदानी ने बताया, जहीन मालवी, जो अवैध रूप से हेबर सिप्रंग्स अर्कासस में रह रहा था, ने टेलीमार्केटिंग स्कीम घोटाले में भारतीय कॉल सेंटरों की सहायता की। हमदानी ने कहा, इन घोटालों को अंजाम देने वालों में भारतीय कॉल सेंटर शामिल हैं। अदालत ने कहा कि मालवी ने स्कीम में एक रनर के रूप में काम किया, शिकागो में अलग-अलग टारगेट स्टोर्स में जाकर कॉल सेंटरों में ट्रांसफर किए गए फंड का सहारा लिया। बाद के वर्षों में, उन्होंने अन्य रनर्स को मैनेज किया, क्योंकि वे देश भर में यात्रा करते थे, कैश से भरे पैकेज उठाते थे जिन्हें कॉल सेंटर पीड़ितों ने मेल किया था। स्कीम में इस्तेमाल की जाने वाली एक सामान्य स्क्रिप्ट में पीड़ितों को यह विश्वास दिलाना शामिल था कि संघीय एजेंट उनकी जांच कर रहे हैं। फोन पर एजेंट पीड़ित को समझाएगा कि जांच से अपना नाम हटाने का एकमात्र तरीका गिफ्ट कार्ड खरीदना और रिडेम्पशन कोड को कॉल सेंटर में ट्रांसफर करना या पैकेज में मेल कैश को कॉल सेंटर के नाम और पते पर भेजना है। यूएस में रनर्स तब गिफ्ट कार्ड फंड को समाप्त कर देंगे और पैकेज उठा लेंगे। अपने याचिका समझौते के तहत, मालवी योजना के चिन्हित पीड़ितों को नुकसान का भुगतान करेंगे।

1.26 लाख रुपए की एक कप कॉफी

सिडनी । एक कप कॉफी की कीमत 1,25,000 रूपये हो सकती है, इसका जवाब है हां। सिडनी के पेनरिथ स्थित ब्लूलैब कैफे में एक कप कॉफी की कीमत लगभग 1.26 लाख रुपए है। इस काफी की मांग इतनी ज्यादा है, कि इसके लिए काफी पीने वालों को 2 हफ्ते का इंतजार करना पड़ता है। कैफे के मालिक मिच जॉनसन का कहना है, इस काफी का स्वाद दुनिया में सबसे अनोखा है।काफी को पनामा और कोस्टा रिका की सीमा के करीब सिला डे पांडो स्थित ज्वालामुखी के किनारे इस काफी को उगाया जाता है। जिसके कारण इस काफी की कीमत इतनी ज्यादा है।

विमान दुर्घटना में लापता हुए 4 बच्चे 16 दिन बाद जीवित मिले

बोगोटा । कोलंबियाई विमान दुर्घटना में लापता हुए चार बच्चे सोलह दिन बाद जीवित मिल गए हैं। इनमें एक बच्चा तो केवल 11 महीने का है। हालां?कि किसी भी भयानक हादसे में किसी बच्चे का बच जाना चमत्कार से कम नहीं होता है। लेकिन इस घटना को चमत्कार ही माना जा रहा है। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने बुधवार को कहा कि दो सप्ताह से अधिक समय पहले एक विमान दुर्घटना के बाद घने कोलंबियाई अमेजन जंगलों में 11 महीने के बच्चे सहित चार बच्चे जीवित पाए गए हैं। उन्होंने इसे 'देश के लिए खुशी' करार दिया है। पेट्रो ने ट्विटर पर खबर शेयर करते हुए कहा कि सेना द्वारा 'कठिन खोज प्रयासों' के बाद बच्चों को सकुशल खोज निकाला गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारियों ने 100 से अधिक सैनिकों को स्निफर डॉग के साथ तैनात किया था ताकि उन बच्चों की तलाश की जा सके जो 1 मई को दुर्घटनाग्रस्त हुए हवाई जहाज में यात्रा कर रहे थे, जिसमें तीन वयस्कों की मौत हो गई थी। बचावकर्मियों का मानना है कि इन बच्चों में एक 11 महीने का बच्चा था। इसके अलावा एक 13, 9 और 4 साल का बच्चा शामिल था। वे दुर्घटना के बाद से दक्षिणी कैक्वेटा में जंगलों में भटक रहे थे। इससे पहले बुधवार को सशस्त्र बलों ने कहा कि बचाव दल का बच्चों के खोज का प्रयास उस समय और तेज हो गया था जब लकड़ी से निर्मित आश्रय उन्हें जंगल में मिला था। इसके बाद उन्हें विश्वास हो गया था कि बच्चे अब तक जीवित हैं। सशस्त्र बलों द्वारा जारी की गई तस्वीरों में जंगल के फर्श पर शाखाओं के बीच कैंची और हेयरबैंड देखी जा सकती है। इससे पहले, एक बच्चे की पानी पीने की बोतल और आधा खाया हुआ फल मिला था। सोमवार और मंगलवार को सैनिकों को पायलट और दो वयस्कों के शव मिले जो कोलंबिया के अमेजन वर्षावन के मुख्य शहरों में से एक, सैन जोस डेल ग्वावियारे के लिए एक जंगल स्थान से उड़ान भर रहे थे। मृत यात्रियों में से एक रानोक चार बच्चों की मां थी जो ह्यूटोटो जाति से हैं। मदद के लिए तीन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया था। जिनमें से एक ने ह्यूटोटो भाषा में बच्चों की दादी के एक रिकॉर्ड किए गए संदेश को बजाया जा रहा था। जिसमें उन्हें जंगल में जाने से रुकने के लिए कहा गया था।

ज्यादती की शिकार महिलाओं को रिहा करने मानवाधिकार संगठनों से लगाई गुहार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने ज्यादती का शिकार हो रही महिलाओं को जेल से रिहा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से गुहार लगाई है। इमरान खान ने कहा कि मैं हमारी सभी महिला नेताओं, कार्यकर्ताओं और हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं की महिला परिवार के सदस्यों की तत्काल रिहाई की मांग करता हूं। उन्होंने कहा कि शहरयार अफरीदी की पत्नी को जेल में डालना मतिबल यह विशुद्ध रूप से लोगों में आतंक फैलाने के लिए है ताकि वे अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए खड़े न हों। पूर्व मानवाधिकार मंत्री डॉ. शिरीन मजारी के इलाज और उनकी बेटी को पुरुष पुलिस अधिकारियों के जरिए शारीरिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की बात सुनकर मैं बहुत व्यथित हूं। इस्लामाबाद हाईकोर्ट से डॉ मजारी और सीनेटर फलक चित्राली को जमानत दिए जाने के बाद उन्हें अद्याला जेल के भीतर से अगवा कर लिया गया और थाना सचिवालय ले जाया गया जहां डॉ मजारी की चीखें सुनी गईं। पीटीआई चीफ ने दावा किया कि हमारी महिला समर्थकों के साथ हुए बर्बर व्यवहार निंदनीय हैं। इसके कई वीडियो सबूत भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी कई महिला विधायकों, समर्थक और कार्यकर्ता अमानवीय परिस्थितियों में पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं, जो पुलिस की ज्यादतियों की चपेट में हैं। ये अपहरण और इस फासीवादी सरकार द्वारा महिलाओं के साथ किया जा रहा व्यवहार न केवल गंभीर मानवाधिकारों का उल्लंघन है बल्कि हमारी संस्कृति और इस्लामी शिक्षाओं के सख्त खिलाफ है। इन सभी महिलाओं को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। उनका लगातार कारावास कानून के खिलाफ है। मैं इसे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के साथ भी उठा रहा हूं।

सूडान में जारी संघर्ष के बार रोजाना हजारों लोग इथियोपिया पहुंच रहे

वाशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) ने कहा है कि सूडान में जारी संघर्ष के कारण इथियोपिया पहुंचने वाले लोगों की संख्या 25,700 से अधिक हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि पिछले कुछ सप्ताह में सूडान से लोग रोजाना इथियोपिया आ रहे हैं। इथियोपिया के मेटेमा बॉर्डर क्रॉसिंग पर अब तक 20,400 से अधिक लोग पंजीकृत हुए हैं। शरणार्थियों के लिए एक नए क्रॉसिंग प्वाइंट बन चुके इथियोपिया के बेनीशंगुल-गुमुज क्षेत्र के अलमहल में हाल ही में 5,300 से अधिक लोग आए हैं जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है। प्राथमिक जरूरतें भोजन, पानी और स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य और पोषण, आश्रय, गैर-खाद्य पदार्थ और सुरक्षा सेवाओं की डिलीवरी है। मेटेमा में, जो अब तक मुख्य क्रॉसिंग प्वाइंट है, मई के दूसरे सप्ताह में सहायता से जुड़ी गतिविधियों में तेजी आई है। यूनोचा ने कहा, संरक्षण भागीदारों ने आठ बड़े ट्रांजिट आश्रय शेड स्थापित किए हैं, जिससे कुछ सौ शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को बॉर्डर क्रॉसिंग प्वाइंट से छह किमी दूर इस पारगमन स्थल पर स्थानांतरित करने की अनुमति मिली है, जहां वे आश्रय पा सकते हैं, पानी और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच सकते हैं। स्थानांतरण कुछ हद तक, मेटेमा के अतिपिछड़े शहर के लिए राहत प्रदान करता है, जो पहले से ही पानी की कमी का सामना कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में बीमारी फैलने का खतरा है। चिकित्सा दल मेटेमा बॉर्डर प्वाइंट पर स्वास्थ्य जांच और आपातकालीन सहायता प्रदान करना जारी रखे हुए हैं।

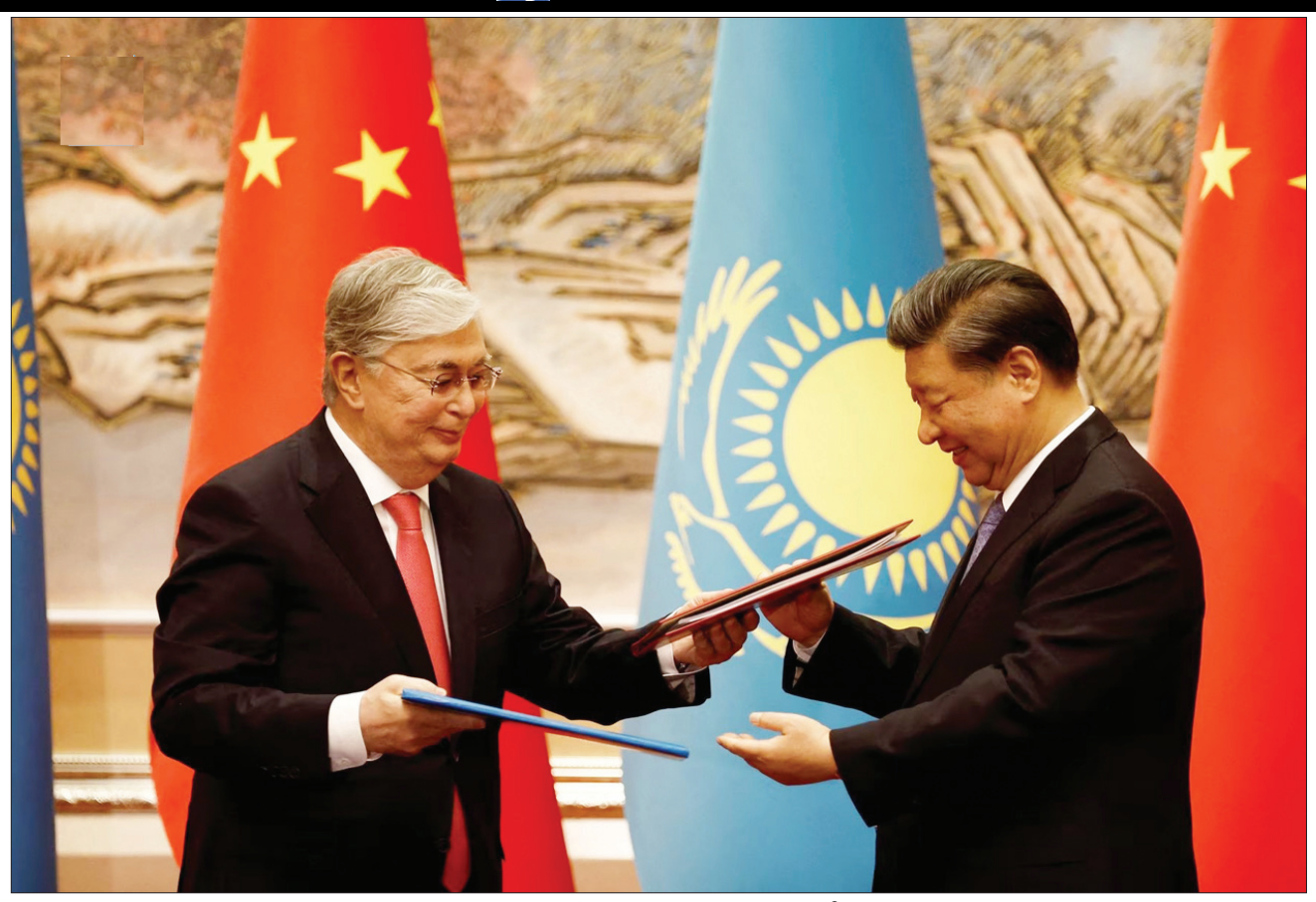

चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और तजाकिस्तान के राष्ट्रपति कैसम जोमार्ट दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए।

इमरान की पार्टी में पड़ी फूट, कई बड़े नेता करने वाले हैं किनारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी में फूट पड़ गई है। सूत्र बताते हैं ?कि पार्टी से उनके कई करीबी बड़े नेता इस्तीफा देने वाले हैं। इस तरह से इमरान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शहबाज शरीफ की सरकार और पाकिस्तानी सेना के दबाव के आगे उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में फूट पड़ गई है। इसका सबूत हाल में ही इमरान खान के करीबी समझे जाने वाले पूर्व मंत्री फवाद चौधरी की पत्नी हिबा फवाद चौधरी ने दिया है। फवाद चौधरी अपनी गिरफ्तारी के बाद पार्टी की उपेक्षा से नाराज चल रहे हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि फवाद जल्द ही पीटीआई से इस्तीफा दे सकते हैं। इमरान खान पहले से ही दावा कर रहे थे कि पाकिस्तानी सेना और सरकार उनकी पार्टी को तोड़ने की साजिशें रच रही हैं। हालांकि, तब उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया था। फवाद चौधरी इमरान खान की सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री रह चुके हैं। जानकारी के अनुसार फवाद चौधरी की पत्नी हिबा ने ट्वीट कर लिखा कि खान साब! आप फवाद चौधरी, मलीका बुखारी, जमशेद चीमा, मुसरत चीमा के नामों का जिक्र करना भूल गए जैसा कि आपने दूसरों का उल्लेख किया है। दरअसल इमरान खान ने शहबाज सरकार और पाकिस्तानी सेना पर निशाना साधते हुए अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी पर गुस्सा जताया था। इमरान ने ट्वीट में लिखा था कि मैं हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं की अवैध गिरफ्तारी और अपहरण की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे वाइस चेयरमैन शाह महमूद कुरैशी और महासचिव असद उमर को गिरफ्तार किए एक हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद पत्रकार इमरान रियाज खान को अदालत में पेश नहीं किया गया और उसको प्रताड़ित करने की खबरें पक्की हैं।

मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा लाया जाएगा भारत, कोर्ट की मंजूरी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी अदालत ने पाकिस्तानी-कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में उसकी संलिप्तता के लिए उसकी तलाश की जा रही है। कहा जाता है कि वह पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसएसआई) से जुड़ा हुआ है। 62 वर्षीय राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई में किए गए हमले में उसकी भूमिका थी। मुंबई हमले में छह अमेरिकी समेत 164 लोग मारे गए थे। कैलिफोर्निया के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश जैकलीन चूलजियान ने मामले में मंगलवार को आदेश दिया, जो बुधवार को जारी हुआ। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, मामले में विचार

के बाद अदालत अमेरिका के राज्य सचिव को राणा के भारत प्रत्यर्पण को प्रमाणित करती है। गौरतलब है कि अमेरिका व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है। इसी के आधार पर भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी। उसे 2011 में शिकागो में लश्कर को सहायता प्रदान करने का दोषी ठहराया गया था, जिसने मुंबई आतंकवादी हमलों की योजना बनाई थी।

अदालत में अभियोजकों ने तर्क दिया कि राणा जानता था कि उसके बचपन के दोस्त पाकिस्तानी-अमेरिकी डेविड कोलमैन हेडली का लश्कर के साथ संबंध है। मुंबई में हमले को अंजाम देने के लिए उसने लश्कर की मदद की। राणा इस बात से भी वाकिफ था कि हेडली की बैठकों में क्या चर्चा होती थी, इसमें हमलों की योजना के साथ-साथ लक्ष्य भी शामिल थे। हालां?कि प्रत्यर्पण का उसके वकील ने विरोध किया। न्यायाधीश ने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण के लिए पर्याप्त सक्षम सबूत हैं, इसलिए यह आदेश दिया जाता है कि तहव्वुर हुसैन राणा अमेरिकी मार्शल की हिरासत में बना रहेगा, जब तक राज्य सचिव द्वारा उसके भारत के प्रत्यर्पण और आत्मसमर्पण पर अंतिम निर्णय लंबित है।

ब्रिटेन की संसद पर बड़ा खतरा मंडराया, संसदीय समिति ने दी चेतावनी

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश संसद भवन पर ढहने का खतरा मंडरा रहा है। यहां संसदीय समिति ने ब्रिटिश सरकार को चेतावनी दी कि अगर पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर के जीर्णोद्धार परियोजना में देरी होती है तो एक भयावह आपदा होने का खतरा है। इस आपदा के कारण 147 साल पुराना परिसर ढह सकता है और नष्ट हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्टमिंस्टर के पैलेस में ब्रिटिश संसद है, जो एक वास्तुशिल्प कृति और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। हालांकि, ब्रिटिश सांसदों ने कहा कि संरचना भी एस्बेस्टस से भरी हुई है, टपकती रहती है, और उसके नष्ट होने का खतरा है। पब्लिक अकाउंट्स कमेटी ने कहा कि वेस्टमिंस्टर पैलेस की मरम्मत और जीर्णोद्धार की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर व्यापक सहमति के दशकों बाद भी इसकी प्रगति काफी धीमी रही है। समिति का कहना है कि, आज तक भवन का उपयोग करने वाले हजारों कर्मचारियों और आगंतुकों के बजाय संसद सदस्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में इसे अविश्वसनीय कहा है कि सदन द्वारा कार्यवाही निर्धारित करने के पांच साल बाद एक पुनर्निर्मित महल कैसा दिख सकता है और इसमें काम कैसे किया जाएगा इस बारे में प्रश्न अनुत्तरित रहते हैं।

इसके लिए समय सीमा और लागत की भी अनिश्चितता बनी हुई है। संसद महल की मरम्मत के लिए प्रति सप्ताह 2 मिलियन पाउंड (20,56,92,200 रुपये लगभग) तक खर्च हो रहे हैं। लेकिन अभी भी स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं की सूची बढ़ती जा रही है। जिसमें कुछ ढहने के खतरे भी शामिल हैं। समिति का कहना है कि दोनों सदनों के क्लर्क 'आखिरकार इस कार्य की विशालता को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हैं, जिसके लिए वे अब व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह हैं।

इमरान खान के घर में 40 आतंकी छिपे होने का दावा, आर्मी ने घेरा इलाका

लाहौर। पाकिस्तान आर्मी द्वारा इमरान खान के घर में आतंकी छिपे होने का दावा किया जा रहा है, इसे लेकर पूरे इलाके में सेना तैनात कर दी है। वहीं पंजाब प्रांत की अंतरिम सरकार ने मांग की है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लाहौर के ज़मान पार्क स्थित अपने आवास पर शरण लेने वाले 30 से 40 आतंकवादियों को सौंप दें। इधर इमरान खान ने पलटवार किया और अधिकारियों से सर्च वारंट के साथ आने को कहा और इसे अपने घर पर धावा बोलने के बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं करने का आग्रह भी किया है। वहीं लाहौर पुलिस ने पीटीआई के सुप्रीमो इमरान के आवास को किले में तब्दील कर दिया है। उनके जमान पार्क स्थित घर की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार जमान पार्क की ओर जाने वाली सड़कों पर पंजाब पुलिस की भारी टुकड़ी तैनात की गई है।

तानाशाह किम जोंग अब अंतरिक्ष में मुस्तैद, बेटी के साथ सैन्य टोही उपग्रह का किया निरीक्षण

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने देश के पहले सैन्य टोही उपग्रह का निरीक्षण किया और इसकी अगली कार्य योजना को हरी झंडी दे दी। इस दौरान उनके साथ उनकी बेटी भी कार्य को अंजाम दे रही है। प्योंगयांग के मीडिया ने बुधवार को कहा कि उपग्रह रॉकेट प्रक्षेपित करने को तैयार है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार किम ने जासूसी उपग्रह की समग्र स्थिति की जांच करने के लिए एक दिन पहले गैर-स्थायी उपग्रह प्रक्षेपण तैयारी समिति का निरीक्षण किया और इसकी भविष्य की कार्य योजना को मंजूरी दी। इससे संकेत मिलता हे कि जल्द ही प्रक्षेपण हो सकता है। खबरों के अनुसार समिति के काम से खुद को विस्तार से परिचित करने के बाद, उन्होंने सैन्य टोही उपग्रह नंबर 1 का निरीक्षण किया, जो अंतिम आम सभा की जांच और अंतरिक्ष पर्यावरण परीक्षण के बाद लोड होने के लिए तैयार है। किम ने जोर देकर कहा कि उपग्रह का सफल प्रक्षेपण मौजूदा सुरक्षा वातावरण के तहत तत्काल आवश्यकता और सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की प्रक्रिया है।

इस मामले में विशेषज्ञों ने कहा कि उत्तर कोरिया जलवायु परिस्थितियों और प्रमुख राजनीतिक घटनाओं को देखते हुए उपग्रह प्रक्षेपण के आदर्श समय की जांच-पड़ताल कर सकता है। मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में किम की बेटी जू-ए को लैब गाउन और हेड कैप में निरीक्षण के साथ दिखाया गया है। नवीनतम निरीक्षण 18 अप्रैल को उत्तर कोरिया की अंतरिक्ष विकास एजेंसी की अपनी ऑन-साइट यात्रा के बाद से किम की पहली सार्वजनिक गतिविधि को चिन्हित करता है, जब उन्होंने घोषणा की कि उत्तर कोरिया ने अपना पहला सैन्य जासूसी उपग्रह बनाने का काम पूरा कर लिया है। पिछले साल दिसंबर में, प्योंगयांग ने कहा कि उसने अपने पहले टोही उपग्रह के विकास के लिए अपने रॉकेट लॉन्चिंग सुविधा में एक महत्वपूर्ण अंतिम चरण परीक्षण किया था।

रूस ने यूक्रेन पर 30 क्रूज मिसाइलें दागीं, कीव ने 29 को मार गिराने का दावा किया

कीव(एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और ओडेसा क्षेत्र पर बृहस्पतिवार को तड़के 30 क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनमें से 29 को यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने मार गिराने का दावा किया है। ओडेसा के सैन्य प्रशासन के प्रवक्ता सरहेई ब्रैतचक ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि एक रूसी मिसाइल, क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक औद्योगिक प्रतिष्ठान से जा टकराई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। ब्रैतचक ने कहा, ÷वायु रक्षा बलों ने दुश्मन की ज्यादातर मिसाइलों को समुद्र के ऊपर मार गिराया।

दुर्भाग्य से एक औद्योगिक प्रतिष्ठान मिसाइल की चपेट में आ गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।' वहीं, कीव में अधिकारियों ने बताया कि रूस ने इस महीने नौवीं बार यूक्रेनी राजधानी को निशाना बनाया। कैस्पियन क्षेत्र के रणनीतिक बमवर्षकों ने संभवतः क्रूज मिसाइलों से इन हमलों को अंजाम दिया। हमलों के बाद रूस के टोही विमानों ने यूक्रेनी राजधानी के ऊपर उड़ान भी भरी। कीव के सैन्य प्राधिकरण के प्रवक्ता सरहेई पोपको ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि कीव में धमाकों की तेज आवाज सुनाई दी और विस्फोट के बाद गिरे मलबे से एक गैराज परिसर में आग लग गई।

हालांकि, हमले में हताहत लोगों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने रूस की क्रूज

मिसाइलों के अलावा उसके दो बमवर्षक ड्रोन और दो टोही ड्रोन को भी मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी देशों द्वारा उपलब्ध कराए गए अत्याधुनिक हथियारों से और मजबूत हुई यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने इस हफ्ते की शुरुआत में रूस की ओर से कीव पर बड़े पैमाने पर किए गए हवाई हमलों को नाकाम करते हुए उसकी ज्यादातर मिसाइलों को मार गिराया था।

यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इनहात ने कहा कि रूस ने इस हफ्ते की शुरुआत में किए गए हमलों के लिए छह किंझल एयरो-बैलिस्टिक हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को किए गए हमलों के लिए मॉस्को ने संभवतः सोवियत काल में निर्मित एक्स-101 और एक्स-55 क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया। यूक्रेन के कमांडर-इन-चीफ जनरल वैलेरी जालुजिह्नी ने एक टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि रूस ने बुधवार रात नौ बजे से बृहस्पतिवार तड़के साढ़े पांच बजे के बीच यूक्रेन में समुद्र, हवा और जमीन से कई मिलाइलें दागीं।

पुतिन के लिए काल साबित हो रही 42 साल पुरानी अमेरिका की पैट्रियट मिसाइल

-रुस के खिलाफ यूक्रेनी सेना कर रही इसका इस्तेमाल

कीव (एजेंसी)। पैट्रियट मिसाइल अमेरिका ने बनाई है। यह मिसाइल सतह से हवा में मार करने वाली है। यह अमेरिका में 42 सालों से इस्तेमाल की जा रही है। दुनिया सबसे भरोसेमंद हवाई सुरक्षा सिस्टम में से एक है। साथ ही इसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में किया जाता है। पैट्रियट मिसाइलों का इस्तेमाल खाड़ी युद्ध, इराक युद्ध, इजरायल-गाजा संघर्ष, सीरिया, यमन के जंगों में होता आया है। इस मिसाइल को फिलहाल रेथियॉन, लॉकहीड मार्टिन और बोईंग कंपनियां मिलकर बनाती हैं। अभी तक 10 हजार से ज्यादा मिसाइलें बनाई गई हैं। यूक्रेन का दावा है कि रूस की हाइपरसोनिक किंझल मिसाइल को पैट्रियट से मार गिराया।

अब तक इस मिसाइल सिस्टम के 7 से 8 वैरिएंट्स बनाए गए हैं। जो अलग-अलग रेंज और ताकत से लैस हैं। यानी इनका इस्तेमाल किसी भी तरह के हवाई हमले को रोकने के लिए किया जा सकता है। पैट्रियट मिसाइलें 312 से 914 किलोग्राम तक वजनी होती हैं। लंबाई 15.10 से लेकर 17.1 फीट तक होती है। हर वैरिएंट पर छोटे पंख लगे होते हैं। जिनका विंगस्पैन 1.8 से लेकर 3 फीट तक होता है। इन मिसाइलों पर कंपोजिशन ब्लास्ट, हाई एक्सप्लोसिव, ब्लास्ट, फ्रैगमेंटेशन वारहेड लगाए जाते हैं।

वारहेड का वजन 73 से 90 किलोग्राम तक हो सकता है। इतने वजन का हथियार किसी भी बड़ी मिसाइल को हवा में ही उड़ाने की क्षमता रखता है। डेटोनेशन यानी टकराव पर विस्फोट के लिए प्रॉक्सिमिटी फ्यूज सिस्टम लगाया गया है। जो कि दुश्मन मिसाइल से टकराते ही फट पड़ता है। पैट्रियट मिसाइलों की रेंज 30 किलोमीटर से लेकर 160 किलोमीटर तक है। यह मिसाइल लगभग 80 हजार फीट की अधिकतम ऊंचाई तक जा सकती है। यानी करीब 24 किलोमीटर की ऊंचाई तक। अलग-अलग वैरिएंट की गति 3430 से 5022 किलोमीटर प्रतिघंटा है। किसी भी मिसाइल को मार गिराने के लिए इतनी गति काफी है।

इसका लांचर मोबाइल होता है। इस कहीं भी ले जा सकते हैं। पहले यह मिसाइल गाइडेड नहीं थी लेकिन बाद में जब इसका पैक-2 वर्जन आया, तब इस पूरी तरह से गाइडेंस इनहैंस्ड मिसाइल बना दिया गया। यह बात 1990 के आसपास की है। इसके बाद यह मिसाइल और भी घातक हो गई है। अब यह खुद ही टारगेट सेट करके हमला कर देती है। नई पैक-3 मिसाइल अत्याधुनिक है। इसके लांचर में 16 मिसाइलें सेट होती हैं। यानी कम समय में दुश्मन टारगेट पर ताबड़तोड़ हमला होगा। क्योंकि पैक-3 मिसाइल वैरिएंट 5022 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से दुश्मन की ओर बढ़ती है। बाद में पैक-3 को अपग्रेड करके पैक-3 एमएसई मिसाइल बनाई गई। यह एक मीडियम एक्सटेंडेड एयर डिफेंस सिस्टम है। जिसके सटीकता और बढ़ गई है। यह मिसाइल पीछा करके दुश्मन को नष्ट कर देती है। यह एक हिट-टू-किल इंटरसेप्टर मिसाइल है। इसके लांचर को भी बदला गया है ताकि दुश्मन टारगेट मिस न हो। इस मिसाइल का इस्तेमाल

अमेरिका, जर्मनी, ग्रीस, इजरायल, जापान, जॉर्डन, कुवैत, नीदरलैंड्स, पोलैंड, कतर, रोमानिया, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, ताईवान, संयुक्त अरब अमीरात और यूक्रेन कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही मोरक्को और स्विट्जरलैंड भी पैट्रियट मिसाइल खरीद सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति- प्रधानमंत्री चखेंगे शाही लीची का स्वाद, 1000 पेटी दिल्ली भेजने की तैयारी

मुजफ्फरपुर । बिहार के मुजफ्फरपुर की मशहूर शाही लीची का स्वाद इस बार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित कई वरिष्ठ लोग चखेंगे। जून के पहले हफ्ते में मुजफ्फरपुर की शाही लीची दिल्ली भेजने को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। बताया जाता है कि मुजफ्फरपुर के कांटी, मीनापुर, मुसहरी और बोचहां प्रखंड क्षेत्र के लीची बगानों से तैयार रसीली शाही लीची की तलाश शुरू कर दी गई है। इस साल करीब एक हजार पेटी लीची दिल्ली भेजने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों के मुताबिक, मुजफ्फरपुर से लीची पहले दिल्ली स्थित बिहार भवन भेजा जाएगा, जहां से माननीयों के घरों तक लीची पहुंचाई जाएगी। इसे लेकर मंगलवार को मुजफ्फरपुर लीची टास्क फोर्स की बैठक की गई। बैठक में एक टीम का गठन किया गया है। इसमें उद्यान पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी और अन्य कई अधिकारियों को शामिल किया गया है। मुजफ्फरपुर के उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लोगों की एक कमेटी बनाई गई है। अच्छी बागवानी, जिसमें अच्छे फल लगे होंगे, उनकी पहचान कर तोड़ा जाएगा। उसके बाद करीब 1000 पेटी लीची दिल्ली स्थित बिहार भवन भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जून के पहले सप्ताह में लीची दिल्ली के बिहार भवन पहुंच जाएगी। वहां से देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य दिग्गजों को पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साल शाही लीची राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी जाती है। इस बार भी इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

शिवलिंग के साइंटिफिक सर्वे पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी

नई दिल्ली । वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के साइंटिफिक सर्वे से जुड़ी याचिका पर उच्चतम न्यायालय सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि वह 19 मई को मामले की सुनवाई करेगा। दरअसल, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में वाराणसी के जिला न्यायाधीश का आदेश 12 मई को दरकिनार करते हुए आधुनिक पद्धति के आधार पर कथित शिवलिंग का काल निर्धारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा ने वाराणसी के जिला जज द्वारा 14 अक्टूबर, 2022 को पारित आदेश को चुनौती देने वाली एक पुनरीक्षण याचिका पर यह आदेश पारित किया था। यह याचिका लक्ष्मी देवी और तीन अन्य लोगों द्वारा दायर की गई थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि शिवलिंग को क्षति पहुंचाए बगैर आधुनिक पद्धति के आधार पर काल निर्धारण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। इससे पहले, वाराणसी की अदालत ने 16 मई, 2022 को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण के दौरान मिले ढांचे की कार्बन डेटिंग सहित वैज्ञानिक जांच की याचिका ठुकरा दी थी।

सेना ने आतंकी ठिकाने का पता लगाकर विस्फोटक सामग्री की निष्क्रिय

श्रीनगर । सेना ने एक आतंकी ठिकाने का पता लगाकर वहां मौजूद सारी विस्फोटक सामग्री निष्क्रिय कर दी है। जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने गुरुवार को जम्मू एवं कश्मीर के पुंछ जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने कहा कि सेना और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने क्षेत्र की तलाशी के दौरान जिले की मेंढर तहसील के कसबलारी गांव में एक ठिकाने का पता लगाया। तलाशी दल को ठिकाने से एक आईईडी और अन्य विस्फोटक सामग्री मिली। अधिकारियों ने कहा, ठिकाने के अंदर मिले एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और अन्य विस्फोटक सामग्री को बम निरोधक दस्ते ने गांव के सरपंच की मौजूदगी में सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया।

तमिलनाडु के नकली शराब कांड मामले में चार लोगों की गिरफ्तार

पुदुचेरी । तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में नकली शराब कांड के सिलसिले में मेथेनॉल बनाने वाली एक निजी रासायनिक फर्म के मालिक सहित तीन लोगों को पुदुचेरी और चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। नकली शराब कांड में राज्य में 21 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि सभी 13 आरोपियों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में तमिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगालपट्टू जिलों में अलग-अलग घटनाओं में कथित रूप से नकली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई थी। जान गंवाने वालों में 14 लोग विल्लुपुरम के मरक्कनम में एककियारकुप्पम के थे, जो इस केंद्रशासित प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। पुलिस ने बताया कि विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम और चेंगलपट्टू जिले के चिथमुर में स्थानीय विक्रेताओं को चेन्नई के व्यक्ति ने मेथेनॉल उपलब्ध कराया था। उन्होंने बताया कि पुलिस के कर्मी बड़ी मात्रा में मेथेनॉल को जब्त करने के लिए तेजी से कार्रवाई में जुट गए हैं, जिससे अधिक जानमाल के नुकसान को रोकने में मदद मिले। चेन्नई स्थित पुलिस मुख्यालय की ओर से जिला पुलिस प्रमुखों और शहर के पुलिस आयुक्तों को 11 विनिर्माण इकाइयों और 71 अन्य संयंत्रों में मेथेनॉल के भंडारण का पता लगाने के लिए कहा गया है। तमिलनाडु पुलिस ने कहा था कि कई लोगों ने पुदुचेरी से 'मेथनॉल ऑर्गेनिक केमिकल' खरीदा था और नकली शराब बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। 'मेथनॉल ऑर्गेनिक केमिकल' हल्का, परिवर्तनशील, रंगहीन और ज्वलनशील तरल पदार्थ होता है, जिसका उपयोग औद्योगिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसमें अल्कोहल की गंध होती है। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु में स्थानीय विक्रेताओं को मेथेनॉल की आपूर्ति करने के आरोप में विल्लुपुरम पुलिस ने एलुमलाई और बरकातुल्लाह को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इलैया नांबी के रूप में पहचाने गए एक अन्य व्यक्ति को चेन्नई से पकड़ा गया।

मुंबई पुलिस ने किया नौकरानी गिरोह का पर्दाफाश

- महिलाएं घर में काम मांगती थीं, मौका मिलते ही कैश और गहने चोरी कर हो जाती थीं फरार

मुंबई । मुंबई पुलिस ने नौकरानी के रूप में काम करने वाली तीन महिला चोरों के गिरोह का पर्दाफाश किया है और इस मामले में मुंबई पुलिस ने तीन महिला चोरों को गिरफ्तार किया गया है। ये महिलाएं घरों में नौकरानी के रूप में काम करती थी और उसी दौरान चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाती थीं। पु ?लिस ने उनके पास से बड़ी मात्रा में नकदी और आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार इस गिरोह में शामिल महिलाएं नौकरानी बनकर घरों में जाती थी और फिर चोरी करती थीं। इनके पास से पुलिस ने 35 लाख रुपए के चोरी के गहने, साढ़े तीन लाख रुपए कैश और कई महंगी घड़ियां बरामद की। पुलिस ने बीकेसी स्थित एक घर पर छापा मारा जहां चोरी की रकम और आभूषण छिपाकर रखे गए थे। तीनों महिलाओं को अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार महिलाओं में से एक उपनगरीय बांद्रा में काम करती थी, जहां गिरोह ने उस समय चोरी की जब घर का मालिक 14 अप्रैल से 6 मई के बीच घर पर नहीं था। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो वह उपनगरीय सायन में रहने वाली नौकरानी तक पहुंची और गिरोह का पता चल गया। इसके बाद उसके दो साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है ?कि कुछ दिन पहले ही डिंडोशी पुलिस ने एक घरेलू नौकरानी को गिरफ्तार किया था जो कि एक सीरियल चोर है। यह नौकरानी कई घरों में डाका डाल चुकी थी और इसके खिलाफ कई केस भी दर्ज थे। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से 22 लाख से अधिक के गहने तथा 32 हजार रुपए की नकदी बरामद की थी।

एनआईए, एसटीएफ ने संयुक्त रूप से हरियाणा में की छापेमारी

गुरुग्राम। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के साथ एक संयुक्त अभियान में हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार को गैंगस्टरों और असामाजिक तत्वों के ठिकानों की घेराबंदी कर राज्य में तलाशी अभियान चलाया। विशेष अभियान में एनआईए के 25 लक्षित स्थानों और विशेष कार्य बल के 52 लक्षित स्थानों सहित कुल 77 स्थानों पर पूरे हरियाणा में छापेमारी की गई।

देश में रेल और सड़कों के निर्माण में अमेरिका और यूरोप से ज्यादा खर्च कर रही मोदी सरकार

- 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को पाना लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत चालू वित्त वर्ष में अपनी जीडीपी का 1.7 प्रतिशत हिस्सा यातायात बुनियादी ढांचागत पर खर्च करने वाला है। यह अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से किए जाने वाले खर्च का दोगुना है। इसके द्वारा मोदी सरकार की कोशिश देश में तेजी से यातायात बुनियादी ढांचागत को विकसित करना है, जिससे देश तेजी से 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

मोदी सरकार की ओर से बताया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में मोदी सरकार यातायात बुनियादी ढाचें पर 122 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है, इससे देश में बड़ी संख्या में जॉब पैदा होगी। भारत सरकार का फोकस रेलवे से लेकर देश के पूरे बुनियादी ढ़ाचें को विकसित बनाने पर है। मोदी सरकार की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मोदी सरकार चालू वित्त वर्ष में 2.4 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च करने जा रही है यह 2013-14 में किए गए पूंजीगत खर्च से 9 गुना ज्यादा है। मोदी सरकार द्वारा देश के प्रमुख मार्गों पर वंदे भारत ट्रेन भी शुरू की जा रही है।

वहीं, सरकार का सड़कों पर फोकस भी है और इसके लिए 2023-24 के लिए 2.7 लाख करोड़ का बजट आवटिंत किया गया है। साथ ही एयरपोर्ट और जलमार्गों पर भी फोकस किया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है, मौजूदा समय में भारत की अर्थव्यवस्था 3.5 ट्रिलियन डॉलर की है। इसके जरिए सरकार की कोशिश भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेजी होगी। पिछले आठ सालों में देश में हाइवे नेटवर्क 50,000 किलोमीटर बढ़ा है। ग्रामीण सड़क नेटवर्क 2014 में 3,81,000 किलोमीटर से बढ़कर 2023 में 7,29,000 किलोमीटर का हो चुका है।

मंत्रालय बदलने पर किरेन रिजिजू ने सीजेआई और सभी जजों को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली । कानून मंत्री के पद से हटाए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और अन्य सभी न्यायाधीशों के साथ-साथ उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों एवं न्यायाधीशों, निचली न्यायपालिका और सभी लॉ ऑफिसर्स को धन्यवाद दिया है। मंत्रालय बदले जाने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर कहा ?कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री के रूप में सेवा करना उनके लिए सौभाग्य और सम्मान की बात रही। उन्होंने जजों को धन्यवाद कहते हुए आगे कहा, मैं भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों, निचली न्यायपालिका और सभी लॉ ऑफिसर्स को न्याय को सुनिश्चित करने और हमारे नागरिकों के लिए कानूनी सेवाएं देने में भारी समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। रिजिजू ने अपने पुराने जोश के साथ ही नए मंत्रालय में भी काम करने की बात कहते हुए आगे कहा कि वह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को उसी जोश के साथ पूरा करने के लिए तत्पर हैं, जिसे उन्होंने भाजपा के एक विनम्र कार्यकर्ता के रूप में आत्मसात किया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव करते हुए किरेन रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटा दिया है। उनकी जगह पर अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जातीय जनगणना पर बिहार सरकार को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में जातीय जनगणना को लेकर लगातार राजनीति चल रही है। बिहार में जातीय जनगणना की प्रक्रिया जारी थी। लेकिन पटना हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दिया था। पटना हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। लेकिन बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से साफ तौर पर इंकार कर दिया। यह बिहार सरकार के लिए बड़ा झटका है क्योंकि बिहार सरकार लगातार राज्य में जातीय जनगणना को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताती रही है। मामला 14 जुलाई के लिए सूचीबद्ध है। इससे पहले के न्यायाधीश संजय करोल ने बिहार सरकार की ओर से दाखिल उस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया, जिसमें राज्य में उसके (बिहार सरकार) द्वारा की जा रही जातीय जनगणना पर रोक लगाने के पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।

पटना उच्च न्यायालय के चार मई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में दायर याचिका में बिहार सरकार ने कहा था कि जातीय जनगणना पर रोक से पूरी कवायद पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार ने यह भी कहा था कि जाति आधारित डेटा का संग्रह अनुच्छेद 15 और 16 के तहत एक संवैधानिक जनादेश है। संविधान का अनुच्छेद 15 कहता कि राज्य धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के भी आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं करेगा। वहीं, अनुच्छेद 16 कहता है कि राज्य सरकार के अधीन किसी भी कार्यालय में नियोजन या नियुक्ति के संबंध में सभी नागरिकों के लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे।

धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू राष्ट्र वाले बयान पर बोले चिराग पासवान, देश संविधान के आधार पर चलेगा

पटना। बाबा बागेश्वर उर्फ धीरेंद्र शास्त्री हाल में ही पांच दिवसीय बिहार दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने हिंदू राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान दिया था। इसके बाद बिहार में विपक्षी दलों के द्वारा उनपर निशाना साधा गया था। इस सब के बीच जमुई से सांसद (सांसद) और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एलजेपीआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि देश सिर्फ संविधान के आधार पर चलेगा। गुरुवार को पटना पहुंचने के बाद पासवान ने कहा कि हर कोई अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र है। सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन देश आखिरकार संविधान के आधार पर चलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में देश संविधान के आधार पर ही चला है। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं कि देश के संविधान और लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या यहां चुनाव रुक गया है। क्या देश के संविधान को ताक पर रखकर राजनीतिक दल अपना कानून बना रहे हैं? पासवान ने कहा कि हम सभी संविधान के अधीन हैं। हर धर्म के लोग यहां आते हैं और अपनी बात रखते हैं, लेकिन देश संविधान के आधार पर ही चलता है। चिराग पासवान का यह बयान बाबा बागेश्वर द्वारा पटना में अपने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान बार-बार हिंदू राष्ट्र के निर्माण के लिए काम करने की वकालत करने के बाद आया है। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने धीरेंद्र शास्त्री को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि आजादी की लड़ाई के बाद सबकी सहमति से संविधान बना। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र पिता द्वारा किए गए नामकरण को सभी को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि जो(बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री) लोग बोल रहे हैं क्या उनका उस समय जन्म हुआ था? नीतीश ने साफ तौर पर कहा कि हम सब राष्ट्र पिता महात्मा गांधी को मानते हैं। हम उसी के आधार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि ऐसा कहने की क्या जरूरत है? आप जो भी धर्म अपनाना चाहते हैं उसका पालन करें।

एक साल की बच्ची से रेप करने वाले को उम्रकैद

- कोर्ट ने कहा- दोषी को 25 साल तक नहीं दी जाएगी परोल

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में एक बड़ा फैसला सुनाया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमर जीत सिंह की कोर्ट ने एक साल की बच्ची से रेप के दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही यह आदेश दिया कि उसे 25 साल तक कोई परोल नहीं दी जाएगी। इस साल 18 मार्च को पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। महज 60 दिन के भीतर कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर दोषी को सजा सुना दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने बिहार के दरबंगा के मूल निवासी और लुधियाना में रह रहे राजा राम (27 वर्षीय) को दोषी ठहराया है। उसे अपने पड़ोस में रहने वाली बच्ची से रेप करने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इस मामले में स्पेशल पब्लिक पॉसिक्यूटर बीडी गुप्ता ने कहा कि आरोपी ने इस साल आठ फरवरी को खेलने के बहाने कमरे में ले जाकर बच्ची के साथ क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया था। काम के सिलसिले में बाहर गए बच्ची के माता-पिता जब घर लौटे तो उन्होंने देखा कि बच्ची के शरीर से खून बह रहा था और वह रो रही थी। इसके बाद बच्ची को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसके साथ बलात्कार हुआ है। बच्ची का पिता मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं लेकिन वह लुधियाना में माली का काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि आसपास के इलाके में रहने वाले राजा राम ने उसकी बेटी के साथ रेप किया है।

बीडी गुप्ता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 9 फरवरी को सराभा नगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376, 363 और 366-ए और पाक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत केस दर्ज किया गया था। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने इस मामले में 18 मार्च को विशेष फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट में चार्जशीट दायर कर दी। वहीं कोर्ट ने भी 60 दिनों में सुनवाई पूरी कर उसे कठोरा सजा सुना दी। अदालत ने आरोपी को पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास, आईपीसी की धारा 363 के तहत चार साल की कैद और आईपीसी की 366-ए के तहत पांच साल की कैद के अलावा 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट के आदेश में कहा गया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

द केरला स्टोरी के बहाने अधीर रंजन चौधरी का भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी के बहाने देश में राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। द केरला स्टोरी को लेकर जहां भाजपा नरमी दिखा रही है तो वहीं विपक्ष इसे विभाजनकारी बता रहा है। कई भाजपा शासित राज्यों में इसे कर मुक्त भी कर दिया गया है। इसको लेकर भी विपक्ष सवाल खड़े कर रहा है। इन सब के बीच कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी का भी बयान आया है। अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा पर निशाना साधा है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 'द केरला स्टोरी' को टैक्स फ्री कर दिया गया क्योंकि उन राज्यों में भाजपा का शासन है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि वे भारत की क्रांतिकारी शख्सियतों से जुड़ी फिल्में नहीं दिखाएंगे।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि वे केवल 'द केरल स्टोरी' और 'द कश्मीर फाइल्स' को मुफ्त में दिखाएंगे क्योंकि तब वे विभाजनकारी राजनीति कर पाएंगे। कर्नाटक चुनाव में अभी तक केरल स्टोरी का मामला जबरदस्त तरीके से उठा था। तब द केरल स्टोरी के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा था। वही, द केरल स्टोरी को पश्चिम बंगाल सरकार ने बैन ही कर दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आज इस बैंड को हटाने का आदेश दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने यह फिल्म देखी और संदेश समझने की कोशिश की। अगर इस तरह की फिल्म आएंगी तो वह हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने पर असर कर सकती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जानता है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। सारे विचारों को संज्ञान में लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला लिया होगा।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फिल्म द केरल स्टोरी देखी थी। फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह फिल्म लव जिहाद जैसे षड्यंत्र के प्रति पूरे देश का ध्यान आकर्षित करती है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। शुक्रवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ फिल्म द केरल स्टोरी देखने के बाद योगी ने कहा कि यह फिल्म लव जिहाद जैसे षड्यंत्र के प्रति पूरे देश का ध्यान आकर्षित करती है और पूरे समाज को इस विकृति के बारे में जागरूक होना होगा।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण आदेश से मुंबई हमलों में पाकिस्तान की भूमिका की पुष्टि होगी: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में आरोपी पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अदालत की मंजूरी से भारत के इस रुख की पुष्टि होगी कि हमलों में पाकिस्तान की भूमिका थी। कैलिफोर्निया स्थित एक अमेरिकी अदालत ने राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की अनुमति दी थी। राणा फिलहाल लॉस एंजिलिस की संघीय जेल में बंद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन के निमंत्रण पर अपनी पहली राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाने से लगभग एक महीने पहले यह फैसला आया है।

छब्बीस नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में भूमिका को लेकर भारत द्वारा

प्रत्यर्पण का अनुरोध किये जाने पर राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों सहित कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। ये हमले मुंबई के प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण स्थानों पर 60 घंटे से अधिक समय तक जारी रहे थे। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, ''हर कोई जानता है कि मुंबई के आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का हाथ था। लेकिन राणा के भारत प्रत्यर्पण के साथ ही, यह कानूनी रूप से हमले के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, ''इससे हमारे देश को पाकिस्तान को एक आतंकवादी देश के रूप में अधिसूचित/सूचीबद्ध करने और साथ ही संयुक्त राष्ट्र की कई संधियों के तहत पाकिस्तान के खिलाफ विभिन्न प्रतिबंधों को लागू करने में मदद मिलेगी।'' फडणवीस ने कहा कि मोदी सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) ने इन मामलों में पहल की। उन्होंने, ''हम अब इसका नतीजा देख सकते हैं।'' भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि है। अमेरिकी न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि राणा का भारत प्रत्यर्पण पूरी तरह से संधि के अधिकार क्षेत्र में है।

200 करोड़ की ड्रग्स के साथ 9 नाइजीरियन गिरफ्तार, घर में ही करते थे तैयार

नोएडा (एजेंसी)। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट के थाना बीटा 2 पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 9 नाइजीरिया के नागरिकों को गिरफ्तार ?किया है। ये सभी ग्रेटर नोएडा में एक घर रेंट पर लेकर घर में ही ड्रग्स बनाया करते थे और देश के साथ साथ विदेश में भी सप्लाई करते थे। बताया जा रहा है उत्तर प्रदेश में ये ड्रग्स की अबतक की सबसे बड़ी बरामदगी है। पुलिस अभी इनके अन्य साथियों को भी गिरफ्तार करने के लिए अभियान चला रही है। इस मामले में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि कुछ माह पूर्व इस तरह के रैकेट के एक्टिव होने की सूचना पुलिस को सूत्रों से मिली थी। उसके बाद लगातार हम इसपर काम कर रहे थे। बुधवार को ग्रेटर नोएडा के बीटा2 पुलिस ने जैतपुर से नौ नाइजीरिया के नागरिकों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान अनुदुम, अजोकु उबाक, डॉमियाल, ड्रामेमोड, लेवि, जैकब, कोफी, छिड़ी, अजोकु के रूप में हुई है, इनके पास से ड्रग्स (मैथाफिटामाइन) 46 किलो बरामद की गई है। जिसकी कीमत इंटरनेशनल मार्केट में 200 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा इतना रॉ मैटेरियल मिला है जिससे 100 करोड़ का और ड्रग बनाया जा सकता था। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने आगे बताया कि यह गिरोह ग्रेटर नोएडा में एक साल से सक्रिय थे, इनके कोई भी डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट या वीसा इनके पास से नहीं मिला है, लेकिन पूछताछ में इन्होंने बताया कि ये सब डाक्यूमेंट्स किसी अपने पहचान वाले के पास रखते थे, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, इस गिरोह के और भी लोग होंगे सबकी जांच कर रही है।

डब्ल्यूएमओ का अलर्ट, अगले 5 साल भीषण गर्मी के दौर से गुजरेगी दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने चेताया है कि अगले पांच सालों में वैश्विक तापमान बढ़ने की प्रबल संभावना है। संगठन द्वारा बताया कि साल 2023 से 2027 के बीच अब तक की सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। साथ ही यह भी अनुमान लगाया है कि इन पांच वर्षों में कोई एक ऐसा साल होगा, जो 2016 के तापमान का रिकॉर्ड भी तोड़ेगा। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने दी है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार 98 प्रतिशत संभावना है कि आगामी पांच साल रिकॉर्ड स्तर की गर्मी दर्ज की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने ग्रीनहाउस गैसों और अल नीनो से तापमान बढ़ने की चेतावनी जारी की है, जलवायु परिवर्तन में तेजी आने से तापमान में और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। मौसम संगठन के महासचिव प्रोफेसर पेटेरी तालस ने कहा कि इन पांच वर्षों में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, जल प्रबंधन और पर्यावरण पर इसके दुरगामी प्रभाव पड़ेंगे, जिसके लिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि पेरिस जलवायु समझौते में जो ग्लोबल टेम्परेचर्स सेट किया गया था, वह उससे पार जाने वाला है।

डब्ल्यूएमओ ने बताया कि 66 प्रतिशत संभावना है कि साल 2023-2027 के बीच एनुअल ग्लोबल सरफेस का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाएगा। इन पांच साल में हर साल के 1.1से. से 1.8से. का लिमिट रखा गया है। यूएन वेदर एजेंसी के चीफ पेटेरी तालस ने बताया कि डब्ल्यूएमओ के लिए खतरे की घंटी बज रही है कि हम टेंपररी बेसिस पर 1.5 सेल्सियस के स्तर को पार कर जाएंगे। एजेंसी ने बताया कि आने वाले दिनों में अल-नीनो के डेवलप होने की प्रबल संभावना है। गौरतलब है कि अल नीनो प्रशांत महासागर में आने वाला एक किस्म का मौसमी बदलाव है। इस दौरान मौसम में कभी भी बदलाव आ सकता है। बेमौसम बारिश प्रचंड गर्मी, कभी सर्दी जैसी स्थिति उत्पन्न होने लगती है। अल नीनो के विकसित होने के बाद 2024 में वैश्विक तापमान बढ़ेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com